धनबाद, सोमवार
29 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 269
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

रांची में 4.305 किलो अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक-मोबाइल जब्त

रांची,(एजेंसी) : रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 4.305 किलोग्राम अफीम के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सनिका मुंडा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से अफीम के अलावा एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमर कुमार पांडेय ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति तैमारा की ओर से बाइक पर अवैध अफीम लेकर रामपुर क्षेत्र में बेचने के उद्देश्य से आने वाला है।

सूचना के आधार पर नामकुम थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने रांची-टाटा मार्ग पर नामकुम और दशमफॉल थाना क्षेत्र की सीमा के पास राईसा नदी के निकट वाहन जांच अभियान चलाया।

जन आंदोलन बने नशा मुक्त भारत : उपराष्ट्रपति

बेंगलुरु, (एजेंसी) : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को बेंगलूरु में एक कार्यक्रम में कहा कि नशे की समस्या केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि शिक्षा, उत्पादकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय विकास के लिए भी गंभीर चुनौती है। उन्होंने आह्वान किया कि शैक्षणिक संस्थान, परिवार, स्वास्थ्यकर्मी, कानून प्रवर्तन एजेंसियां और नागरिक समाज मिलकर नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए कार्य करें तथा ह्यनो टू ड्रग्सह्ल को एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का स्वरूप दें।

उपराष्ट्रपति बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरजीयूएचएस) के 31वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित ह्यनशा मुक्त भारत कॉन्क्लेवह्ल में शामिल हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन आरजीयूएचएस ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और दिशा बोध फाउंडेशन के सहयोग से किया था। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई व्यक्ति स्तर से शुरू होकर समाजव्यापी अभियान में बदलनी चाहिए।

राममंदिर चढ़ावा चोरी: 8 आरोपियों के घर पुलिस की एकसाथ छापेमारी,

अयोध्या/प्रयागराज(एजेंसी) : । राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद 8 आरोपियों के घरों पर रविवार सुबह 7 बजे पुलिस की 8 टीमों ने एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 3 आरोपियों के घर पर ताला लगा था। पुलिस ने पड़ोसियों से सवाल-जवाब किए। चंपत राय के करीबी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर पर ताला लगा मिला। आरोपी अनुकल्प मिश्रा के घर पर भी छापेमारी हुई। खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाले गए। पुलिस को अनुकल्प के घर डायरी और कुछ अहम दस्तावेज मिले हैं। पुलिस का मानना है कि डायरी राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण से संबंधित है। छापेमारी में राजस्व अधिकारियों खासकर लेखपालों को शामिल किया गया। पुलिस ने दोपहर 3 बजे तक करीब 8 घंटे जांच की। इस दौरान राम मंदिर से जुडे के बाद आरोपियों के लाइफ स्टाइल में आए बदलाव को लेकर पड़ताल की गई। उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव रविवार को प्रयागराज पहुंचे। यहां उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि अयोध्या ही नहीं, पूरे उत्तर प्रदेश में जनता आक्रोशित है। सुना है डोनेशन के तार कर्नाटक और महाराष्ट्र से जुड़े हैं। असली संतों को अपनी बात नकली संत तक पहुंचाने में बहुत समय लगेगा, भाजपा के शब्दकोष में न धर्म है न शर्म है।

मन की बात: प्रधानमंत्री ने गिनाईं आत्मनिर्भर भारत की उपलब्धियां, जनभागीदारी को बताया देश की सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली, 28 जून (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्ल में कहा कि जून का महीना भारत के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, विमानन क्षेत्र की नई उपलब्धियों, योग की वैश्विक स्वीकार्यता, जनभागीदारी, सामाजिक सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे अनेक प्रेरणादायक प्रयासों का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे सकारात्मक बदलाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई शक्ति प्रदान कर रहे हैं।प्रधानमंत्री ने रविवार को ह्यमन की बातह्ल के 135वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2026 का आधा समय पूरा होने जा रहा है और बीते छह महीनों के दौरान देश ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। जून का महीना विशेष रूप से ऐसी सफलताओं और जनआंदोलनों का साक्षी रहा है, जिन्होंने भारत की सामरिक क्षमता,

तकनीकी दक्षता, सामाजिक चेतना और वैश्विक प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है।प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में उत्पन्न युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच देशवासियों ने जिस जिम्मेदारी और जागरूकता का परिचय दिया है, वह भारत की सामूहिक शक्ति को दशार्ता है। सोने की खरीदारी सीमित करने, विदेश यात्राएं टालने, कार पूलिंग अपनाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने संबंधी उनकी अपील को लोगों ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर देश एकजुट होकर कार्य करने के लिए सदैव तैयार रहता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अनेक परिवारों ने विवाह जैसे आयोजनों में नया सोना खरीदने के बजाय पुराने आभूषणों को पुनर्चक्रित कर उपयोग करने का निर्णय लिया है। बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी विदेश यात्राएं स्थगित की हैं और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दी है। लोग कार पूलिंग को अपना रहे हैं, जिससे पेट्रोल और डीजल की बचत हो रही है। विभिन्न राज्यों से प्राकृतिक उर्वरकों के उपयोग में वृद्धि की रिपोर्ट भी प्राप्त हो रही है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्हें कोलकाता में नौसेना से जुड़े एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला। आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया है। इन युद्धपोतों की डिजाइनिंग से लेकर निर्माण तक का संपूर्ण कार्य भारत में हुआ है। यह उपलब्धि केवल रक्षा क्षेत्र की सफलता नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, इंजीनियरिंग कौशल और आत्मनिर्भरता का भी प्रमाण है।प्रधानमंत्री ने कहा कि जून में देश ने विमानन क्षेत्र में भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।ह्यमेड इन इंडियाह्ल सी-295 परिवहन विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी की है। ऐसे 40 विमान भारत में ही निर्मित किए जा रहे हैं। इससे देश के एमएसएमई क्षेत्र, एयरोस्पेस उद्योग और कौशल विकास को नई गति मिल रही है।

दुनिया को समग्र दृष्टिकोण देना भारत की जिम्मेदारी : डॉ मोहन भागवत

बेंगलुरु, (एजेंसी) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा हैकि आज विश्व जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, उनका समाधान भारत की समग्र एवं समन्वित दृष्टि में निहित है। उन्होंने कहा कि विश्व की विभिन्न विचारधाराएं अपने-अपने अनुभवों पर आधारित हैं और उनका अपना महत्व है, लेकिन वे आंशिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं। ऐसे में संपूर्ण समाधान के लिए दुनिया को भारत के विचार को सुनना ही होगा।

डॉ भागवत रविवार को बेंगलुरु के आर्ट ऑफ लिविंग अंतरराष्ट्रीय केंद्र में भारतीय शिक्षण मंडल (बीएसएम) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ₹राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन : भारतीय ज्ञान प्रणाली का समावेशन₹ के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन का मूल सिद्धांत 'अनेकता' है, जो सभी दृष्टिकोणों का सम्मान करता है। सत्य किसी एक विचार तक सीमित नहीं है। वाद-विवाद के बजाय शास्त्रार्थ और विचार-विमर्श के माध्यम से सभी विचारों के सार को ग्रहण करना भारतीय परंपरा की विशेषता है।डॉ भागवत ने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल का कार्य केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय मूल्यों, संस्कृति और मानव-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने का एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार या आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल किसी भी राजनीतिक दल से संबद्ध संस्था नहीं है। शिक्षा जैसे कार्य राजनीतिक दलों की सीमाओं से ऊपर उठकर स्वतंत्र रूप से किए जाने चाहिए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी समाजहित के कार्य राजनीति से अलग रहकर किए गए थे।इस अवसर पर डॉ मोहन भागवत ने भारतीय शिक्षण मंडल की नई वेबसाइट का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय शिक्षा की अवधारणा और विचारों को शिक्षकों, शोधकताओं तथा आम नागरिकों तक डिजिटल माध्यम से व्यापक रूप से पहुंचाने में मदद मिलेगी।समापन समारोह में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद जोशी, अखिल भारतीय महासचिव डॉ. भरतशरण सिंह सहित देशभर से आए लगभग 380 शिक्षाविद्, प्राध्यापक, शोधकर्ता एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तिरुनेलवेली में 520वें आणि महोत्सव का रथोत्सव संपन्न लाखों श्रद्धालुओं ने खींचा 450 टन वजनी ऐतिहासिक रथ

तिरुनेलवेली, (एजेंसी) : तमिलनाडु के ऐतिहासिक नेल्लैयप्पर-कांतिमति अम्मन मंदिर में आयोजित 520वें आणि महोत्सव के तहत रविवार को भव्य रथोत्सव श्रद्धा, आस्था और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। एशिया के प्रमुख एवं प्राचीन शिव मंदिरों में शामिल इस मंदिर के वार्षिक रथोत्सव में भाग लेने के लिए तमिलनाडु के विभिन्न जिलों से लाखों श्रद्धालु तिरुनेलवेली पहुंचे। चारों रथ मार्ग श्रद्धालुओं से खचाखच भरे रहे और पूरा शहर ₹ॐ नमः शिवाय₹ तथा ₹हर-हर महादेव₹ के जयघोषों से गूंज उठा।रविवार सुबह पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच रथोत्सव का शुभारंभ हुआ। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री रमेश, मंत्री मदन तथा तिरुनेलवेली के जिला कलेक्टर ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद रथ की रस्सी खींचकर यात्रा का शुभारंभ किया। इसके बाद हजारों श्रद्धालुओं ने लंबी रस्सियों को थामकर पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भगवान नेल्लैयप्पर के विशाल रथ को नगर भ्रमण

कराया।लगभग 85 फीट ऊंचा और करीब 450 टन वजनी यह विशाल रथ देश के सबसे बड़े और भारी मंदिर रथों में गिना जाता है। इसकी विशेष संरचना ऐसी है कि चारों रथ मार्गों के किसी भी कोने से श्रद्धालु इसके दर्शन कर सकते हैं। जैसे-जैसे रथ आगे बढ़ता गया, श्रद्धालु भगवान शिव के जयघोष करते हुए भक्ति में लीन दिखाई दिए। रथ पर सुसज्जित भगवान नेल्लैयप्पर और देवी कांतिमति अम्मन के दिव्य स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

नेल्लैयप्पर मंदिर का आणि महोत्सव तमिलनाडु के सबसे लंबे और महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजनों में शामिल है। सहायक मंदिरों के उत्सवों सहित यह आयोजन लगभग 40 दिनों तक चलता है। मुख्य महोत्सव की शुरूआत 20 जून को ध्वजारोहण के साथ हुई थी। इसके बाद प्रतिदिन विशेष पूजा, अभिषेक, आराधना, सांस्कृतिक कार्यक्रम और शोभायात्राओं का आयोजन किया गया। महोत्सव के नौवें दिन आयोजित होने वाला रथोत्सव पूरे आयोजन का सबसे प्रमुख और आकर्षण का केंद्र माना जाता है।

पत्नी संग मुख्यमंत्री पहुंचे जोन्हा फॉल प्राकृतिक वादियों का लिया आनंद

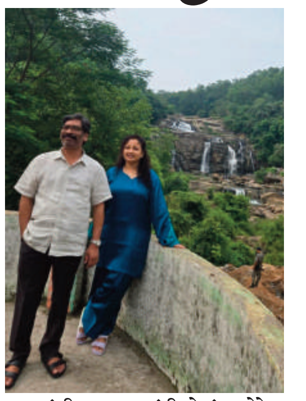

रांची । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को पत्नी कल्पना सोरेन और परिवार व करीबी मित्रों के साथ प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जोन्हा फॉल पहुंचें. उनके साथ सिल्ली की पूर्व विधायक सीमा महतो भी मौजूद थीं. करीब छह घंटे तक उन्होंने जोन्हा फॉल में समय बिताया और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया.

उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि हरी-भरी वादियों के बीच कुछ सुकून भरे पल बिताने का अवसर मिला. इस दौरान उन्होंने स्थानीय फलों का स्वाद लिया और आसपास के लोगों से आत्मीय बातचीत भी की.मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि जोन्हा फॉल की निर्मल जलधारा, घने जंगलों की हरियाली और पहाड़ों का शांत सौंदर्य यह एहसास कराता है कि झारखंड प्रकृति का अनुपम उपहार है. उन्होंने कहा कि राज्य की यह प्राकृतिक धरोहर सभी की साझी विरासत है, जिसे संरक्षित और सुरक्षित रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है.

हेमंत सोरेन ने लिखा कि झारखंड के किसी भी हिस्से में जाएं, प्रकृति अपने अलग-अलग रंगों में हर आगंतुक का स्वागत करती है. उन्होंने देशभर के पर्यटकों को झारखंड आने का आमंत्रण देते हुए कहा कि राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव हर सैलानी के लिए यादगार रहेगा.

जोन्हा फॉल के मनोरम दृश्य को निहारते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि यहां की प्राकृतिक सुंदरता उन्हें बार-बार अपनी ओर आकर्षित करती है. उन्होंने कहा कि यह स्थल पर्यटन की अपार संभावनाओं से भरपूर है, लेकिन समय के अनुरूप इसका अपेक्षित विकास नहीं हो सका है. उन्होंने जोन्हा फॉल को और बेहतर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया. इस दौरान कल्पना सोरेन ने झरने के मनमोहक दृश्य के बीच तस्वीरें और सेल्फी भी लीं तथा आसपास के प्राकृतिक वातावरण का आनंद उठाया.उनके दौरे को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे.

2014 के बाद बदला भारत का विकास मॉडल, डिजिटल सिस्टम से कोई पात्र लाभार्थी नहीं रहेगा वंचित : अमित शाह

गांधीनगर (एजेंसी) : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में रविवार को गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक विशेष एकीकृत प्लेटफॉर्म-ह्यपीएम फैमिली केयर ट्रैकरह्ल पायलट प्रोजेक्ट कार्यरत किया गया।इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2014 भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक वर्ष है। जब कभी आजादी के 100 वर्षों का इतिहास लिखा जाएगा, तब उसके दो स्पष्ट भाग होंगे, 2014 से पहले का भारत और 2014 के बाद का भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की शिक्षा नीति, अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास सहित सभी क्षेत्रों में दीर्घकालिक योजना के साथ आमूल बदलाव आया है। प्रधानमंत्री के पारदर्शी शासन से दिल्ली से निकला रुपया आज सीधे गरीबों के बैंक खातों में जमा होता है।

गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र से प्रायोगिक आधार पर ह्यपीएम फैमिली केयर ट्रैकरह्ल और ह्यहेल्थ पासपोर्टह्ल योजनाओं का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा

कि इस कॉमन आइडेंटिटी सिस्टम से शासन का कामकाज और सुदृढ़ बनेगा और कोई भी पात्र लाभार्थी लाभ से वंचित नहीं रहेगा।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए भयंकर गरीबी का वर्णन किया और कहा कि मोदी सरकार ने देश के 70 करोड़ गरीबों को घर, बिजली, नल से जल, शौचालय, गैस सिलेंडर, मुफ्त अनाज और 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क उपचार प्रदान करके पांच-पांच पीढ़ियों का सपना केवल 12 वर्षों में पूरा किया है। महात्मा गांधी के ह्यराम राज्यह्ल की व्याख्या को सार्थक करते हुए उन्होंने कहा कि केवल योजनाएं बनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनता की चिंता करना और उनका ध्यान रखना ही सच्चा शासन है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने इस जटिल सिस्टम और सॉफ्टवेयर को तैयार करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उप मुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी सहित पूरे प्रशासन की प्रशंसा की और उन्हें हार्दिक बधाई दी। उन्होंने इस अभिनव प्रयोग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस ट्रैकर के माध्यम से जन्म-मृत्यु, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और समाज कल्याण जैसे सभी विभागों के डेटाबेस को एक कंप्यूटर प्रणाली में शामिल कर लिया गया है। यदि कोई बच्चा टीकाकरण से वंचित रह जाएगा या कोई बच्ची स्कूल जाना बंद कर देगी, तो सिस्टम तुरंत अलर्ट देगा। स्थानीय अधिकारियों से लेकर विधायक और सांसद तक का नाम फ्लैश होते ही स्वयंसेवक और प्रशासन बच्चे के घर पहुंचकर उसकी सुविधाएं सुनिश्चित करेंगे। माता के गर्भ से लेकर 16 वर्ष के बच्चे तक के स्वास्थ्य और पोषण की आईटी के जरिए सटीक ट्रैकिंग होगी।मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री फैमिली केयर ट्रैकर और बच्चों के हेल्थ पासपोर्ट को प्रत्येक परिवार के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर युक्त स्वास्थ्य रक्षा की एक संवेदनशील और सुगठित व्यवस्था बताया। उन्होंने कहा कि यह योजना गर्भ से लेकर गौरवपूर्ण युवावस्था तक, बच्चे और माता के जीवन को सुरक्षित, स्वस्थ और स्वास्थ्य समृद्ध बनाने के एक नए युग की शुरूआत है।मुख्यमंत्री ने इस मौके पर प्रधानमंत्री द्वारा स्वस्थ नागरिकों को विकसित राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताए जाने का विशेष रूप से उल्लेख किया और कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उपचार-आधारित व्यवस्था से आगे बढ़कर होलिस्टिक हेल्थ केयर का दृष्टिकोण अपनाया है।

सरकारी स्कूलों को मिलेंगे 1,042 नए शिक्षक आज मुख्यमंत्री के हाथों मिलेगा नियुक्ति पत्र

रांची (एजेंसी) : झारखंड के सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए राज्य सरकार नियुक्ति अभियान को लगातार आगे बढ़ा रही है. इसी क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज 29 जून को राजधानी रांची के टाना भगत स्टेडियम खेलगांव में आयोजित समारोह में 1,042 चयनित सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे. इस अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित अभ्यर्थी मौजूद रहेंगे.

शिक्षा विभाग के अनुसार, नियुक्ति प्रक्रिया की सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं. जिला स्थापना समितियों से प्राप्त अनुशंसाओं के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए जा रहे हैं. इन शिक्षकों की नियुक्ति से प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरने में मदद मिलेगी और विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण सुविधा उपलब्ध होगी.

इस चरण में कक्षा 1 से 5 के लिए 274 और कक्षा 6 से 8 के लिए 768 सहायक आचार्यों की नियुक्ति की जा रही है. मध्य विद्यालयों में भाषा, गणित एवं विज्ञान व सामाजिक विज्ञान विषयों के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की तैनाती होगी. इनमें सामाजिक विज्ञान के 387, गणित एवं विज्ञान के 231 और भाषा विषय के 150 शिक्षक शामिल हैं.

जिलावार नियुक्तियों में पलामू सबसे आगे है, जहां 123 शिक्षकों को नियुक्ति मिलेगी. गिरिडीह में 92, कोडरमा में 81, साहिबगंज में 63, पश्चिमी सिंहभूम में 61, देवघर में

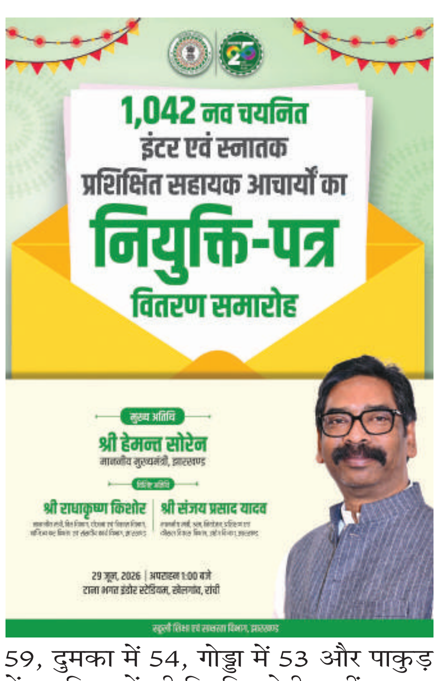

59, दुमका में 54, गोड्डा में 53 और पाकुड़ में 51 शिक्षकों की नियुक्ति होगी. वहीं रामगढ़ में सबसे कम चार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे.

राज्य सरकार ने वर्ष 2023 में करीब 26 हजार सहायक आचार्यों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की थी. अब तक लगभग 12,500 शिक्षकों को नियुक्त किया जा चुका है. आज होने वाली नियुक्तियों के बाद यह संख्या और बढ़ जाएगी.

पांच अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला जिले में अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गयी।आत्महत्या, हादसा व वज्रपात से सभी मौतें हुई है। पुलिस ने शव बरामद की पोस्टमार्टम कराया और शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया।पहली घटना में कहते हैं इश्क और बेवफाई का अंजाम कभी अच्छा नहीं होता। बिशुनपुर थाना क्षेत्र के हेलता अंबाटोली में एक ऐसा ही दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां पति की बेवफाई और सौतन की तानों से तंग आकर 35 वर्षीय नीलू देवी ने बीती रात दुपट्टे का फंदा बनाकर मौत को गले लगा लिया।सस्पेंस और धोखे से भरी इस कहानी के तार काफी उलझे हुए हैं।जानकारी के अनुसार, मृतका नीलू देवी के पति मृत्युंजय उरांव ने दो शादियां कर रखी थीं। उसकी पहली शादी देवरागानी निवासी बसंती उरांव के साथ हुई थी, जिससे उसका एक बेटा है। वहीं, दूसरी तरफ उसने नीलू देवी को भी अपनी पत्नी बनाकर रखा था। जिससे उसकी तीन बेटियां और एक बेटा है। मृत्युंजय दोनों पत्नियों के साथ रिश्ते के इस जाल को संभाल नहीं पा रहा था।मामला तब और बिगड़ा जब बीते 21 जून को नीलू देवी और उसका पति मृत्युंजय रांची से बिशुनपुर लौटे। घर लौटते ही दोनों

पत्नियों (नीलू और बसंती) का आमना-सामना हो गया।इसके बाद घर में जमकर हाई-वोल्टेज ड्रामा हुआ और दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गयी।पति की बेवफाई और सौतन के तानों ने नीलू को भीतर से इस कदर तोड़ दिया कि उसने आत्महत्या कर ली।रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया गया है।पुलिस अब इस उलझी हुई प्रेम, बेवफाई और खुदकुशी की दास्तान की कड़ियों को जोड़ने और मामले की तह तक जाने के लिये आगे की तफ्तीश में जुट गयी है।घाघरा थाना क्षेत्र के कुगांव गांव में रविवार को आकाशीय बिजली (वज्रपात) की चपेट में आने से 35 वर्षीय किसान देवराज उरांव की दर्दनाक मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवराज उरांव खेत में धान का बिचड़ा छिटने का काम पूरा कर वापस अपने घर लौटने की तैयारी कर रहे थे।इसी दौरान अचानक मौसम बदला और तेज गर्जना के साथ वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आने से वे गंभीर रूप से झुलस गये और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गयी। घटना की भनक लगते ही आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं।इस असमय हादसे के बाद पूरे कुगांव गांव में शोक की लहर दौड़ गयी है। बताया जाता है कि देवराज अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे, जिन पर पूरे घर की जिम्मेदारी थी। उनके पीछे परिवार में पत्नी और तीन छोटे बच्चे बेसहारा हो गये हैं, जिनमें सबसे बड़ा बेटा अभी नौवीं कक्षा में पढ़ता है।पिता की अचानक हुई इस मौत से पीड़ित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।ग्रामीणों ने जिला व अंचल प्रशासन से पीड़ित परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए शीघ्र आपदा राहत राशि, सरकारी मुआवजा और अन्य आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की पुरजोर मांग की है।गुमला सदर थाना के कोटाम स्थित पतगच्छा भदलीटोंगरी निवासी 60 वर्षीय रतईन देवी ने गांव के ही समीप एक अरंडी (रेड़ी) के झाड़ में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।रविवार की सुबह महिला का शव लटकता हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी है।मृतका के पति लक्षण लोहरा ने बताया कि उनकी पत्नी पिछले नौ महीनों से बिहार में रह रही थी।एक सप्ताह पहले ही बिहार से वापस अपने घर कोटाम लौटी थी।पति के अनुसार, शनिवार की रात लगभग आठ बजे रतईन देवी ने सामान्य रूप से खाना खाया और फिर घर से बाहर निकल गयी।इसके बाद वह रात में वापस नहीं लौटी। सुबह जब ग्रामीण और परिवार के लोग बाहर निकले, तो हरार्डांड़ के समीप अरंडी की झाड़ी में उसका शव लटकता हुआ पाया गया।पति लक्षण लोहरा ने आशंका जताते हुए कहा कि संभवतः अत्यधिक शराब के नशे में होने के कारण ही उसने ऐसा आत्मघाती कदम उठाया होगा। हालांकि, आत्महत्या के स्पष्ट और सटीक कारणों का अब तक पूरी तरह खुलासा नहीं हो सका है।पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह और स्थिति साफ हो पायेगी।पालकोट थाना क्षेत्र के तपकारा नवाटोली में 30 वर्षीय सुकरी कुमारी की मौत हो गयी।परिजनों के अनुसार उसे मिर्गी का दौरा पड़ा था। जबकि कुछ ग्रामीण इस मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जता रहे हैं।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।अब रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।बसिया पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया। शव के शरीर पर चोट के निशान मिलने से मामला संदिग्ध माना जा रहा है।मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।पुलिस ने शव को सदर अस्पताल के शीतगृह में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रख दिया है ताकि पहचान होने पर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन में हथियार चमकाने के साथ जवानों से की धक्का मुक्की,भेजा गया जेल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : 12874 डॉउन आनंद विहार हटिया एक्सप्रेस के एसी कोच में सह यात्रियों के सामने हथियार चमकाने के आरोप में पकड़े गए आरोपी को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है।आरोपी ट्रेन में जीआरपी व आरपीएफ की कार्रवाई के दौरान जवानों से भी उलझ गया था और नशे की हालत में धक्का-मुक्की तक कर दी थी। जेल भेजे गए आरोपी की पहचान दिवाकर सिंह 32 वर्ष पिता सूर्यभान सिंह निवासी रायपुर थाना महेशगंज प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार 27 जून को रेल मदद पर सूचना मिली कि ट्रेन के कोच संख्या- बी-1 बर्थ संख्या- 48 पर एक व्यक्ति शराब के नशे में पिस्टल चमका रहा है और यात्रियों को धमकी दे रहा है।सूचना पर उक्त ट्रेन के कोडरमा आगमन पर आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह, जीआरपी के सहायक उप निरीक्षक शैलेश कुमार व अन्य ने अटेंड किये और देखा की एक व्यक्ति अपने कमर में पिस्तौल लिए हुए है और नशे की हालत में कोच में इधर-उधर घूम रहा है तथा धमकी भरी शब्दों का उपयोग कर रहा है। जीआरपी और आरपीएफ के सहयोग से उक्त यात्री को गाड़ी से उतारा गया, गाड़ी से उतारने के क्रम में आरोपी ने आरपीएफ और जीआरपी से हाथापाई और धक्का -मुक्की भी की। उसे किसी तरह से काबू करते हुए गाड़ी से उतारकर जीआरपी कोडरमा ले जाया गया। छानबीन में उसके पास से एक पिस्टल, मैगजीन में 6 राउंड गोली लोडेड और पाउच में 18 गोली पाया गया।पूछताछ में दिवाकर सिंह ने बताया कि मैं प्रयागराज से रांची जा रहा हूं, मैं सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता हूं कभी किसी के यहां, कभी किसी के यहां, अभी मैं नया जगह पर जा रहा हूं। ऐसे में जीआरपी कोडरमा द्वारा पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कांड दर्ज किया गया.रविवार को आरोपी को जीआरपी ने न्यायालय में पेश किया।

जूनियर राज्य खो-खो प्रतियोगिता के लिए बोकारो टीम का चयन, 120 खिलाड़ियों ने आजमाई किस्मत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : सेक्टर-12सी स्थित खो-खो ग्राउंड में रविवार को बोकारो जिला खो-खो संघ के तत्वावधान में जूनियर बालक वर्ग का चयन परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बोकारो जिले के विभिन्न प्रखंडों से करीब 120 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर चयन समिति ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए संभावित खिलाड़ियों का चयन किया।चयन प्रक्रिया को प्रवीण कुमार, सरोज कुमार, रामू गोप, संजय कुमार व अखिलेश कुमार ने संपन्न कराया।बोकारो जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने कहा कि चयनित खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए हर संभव सहयोग दिया जायेगा।वहीं संघ के सचिव सुनीत कुमार मल्लिक ने बताया कि चयनित खिलाड़ी 3 से 5 जुलाई तक खूंटी जिला खो-खो संघ के तत्वावधान में खूंटी में आयोजित 20वीं जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में बोकारो जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। शिविर के सफल आयोजन में चंद्रकांत कुमार, सौरभ कुमार, पवन कुमार, सुरेश सोरेन एवं प्रेमानंद कुमार सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आद्रा मंडल में सात दिन का मेगा ब्लॉक, बोकारो होकर चलने वाली कई ट्रेनें रद्द व प्रभावित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में इंजीनियरिंग, टीआरडी तथा सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन विभाग की ओर से 29 जून से 5 जुलाई तक संयुक्त रोलिंग ब्लॉक लिया जायेगा।इस दौरान बोकारो और आसपास के रेल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।अनुरक्षण कार्य के कारण कई मेमू ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि कई ट्रेनों का आंशिक समापन, आंशिक प्रारंभ और पुनर्निर्धारण किया गया है।रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके।रेलवे के अनुसार, आद्रा-भागा-आद्रा मेमू (68077/68078) 30 जून को रद्द रहेगी।वहीं आद्रा-मिदनापुर-आद्रा मेमू (68090/68089) 30 जून, 3 जुलाई और 5 जुलाई को नहीं चलेगी।इसके अलावा चक्रधरपुर-गोमो-चक्रधरपुर मेमू (18116/18115) 30 जून, 3 जुलाई और 5 जुलाई को महुदा स्टेशन तक ही संचालित होगी। इस अवधि में महुदा-गोमो-महुदा खंड में ट्रेन सेवा रद्द रहेगी।इसी तरह आसनसोल-टाटानगर-आसनसोल तथा टाटानगर-आसनसोल-बाराभूम मेमू ट्रेनों का परिचालन भी अलग-अलग तिथियों में आद्रा तक सीमित रहेगा।कुछ दिनों तक आद्रा-आसनसोल और आद्रा-टाटानगर खंड में ट्रेनें नहीं चलेंगी।इसके अलावा खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस (18035) 29 जून, 2 जुलाई और 3 जुलाई को खड़गपुर से एक घंटे विलंब से रवाना होगी।वहीं हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस (18036) 30 जून को एक घंटे तथा 1 और 4 जुलाई को दो घंटे विलंब से हटिया से प्रस्थान करेगी।

बंद पड़े 20 नंबर खदान में डूबने से 17 वर्षीय किशोर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : मिजाचौकी थाना क्षेत्र के 20 नंबर बंद पड़े खदान में रविवार को नहाने के दौरान डूबने से एक 17 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गयी। मृतक की पहचान महादेवरण गांव निवासी जगलाल चौधरी के पुत्र सुमन चौधरी (17 वर्ष) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, सुमन चौधरी अपने कुछ दोस्तों के साथ बंद पड़े 20 नंबर खदान में नहाने गया था।इसी दौरान वह खदान के गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।साथ मौजूद दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।तब जाकर घटना जानकारी गांव फोन के माध्यम से दी गयी।जहां सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच कर और काफी मशक्कत के बाद किशोर को पानी से बाहर निकाला गया। हालांकि तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।घटना की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।मां, पिता जगलाल चौधरी और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जबकि सुमन अपने घर में तीन बहन पर मात्र एक लौता पुत्र था।वही इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।स्थानीय लोगों ने बंद पड़े खदानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से ऐसे खतरनाक स्थलों की घेराबंदी कराने तथा चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। इधर घटना की जानकारी मिलने के पश्चात मिजाचौकी थाना पुलिस मामले की छान बीन में जुट गई थी।

जंगल में डोरी चुनने गई महिला पर जंगली हाथी का जानलेवा हमला, सूंड से उठाकर कई बार जमीन पर पटका; हालत गंभीर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : गढ़वा जिले के चिनिया थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ के विलायती खेर गांव में रविवार को जंगल में डोरी (वन उपज) चुनने गई एक महिला पर जंगली हाथी ने अचानक जानलेवा हमला कर दिया।हाथी ने महिला को सूंड से उठाकर कई बार जमीन पर पटका, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई हैं घायल महिला को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल लाया गया, जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया है।पीड़ित महिला की पहचान विलायती खैर गांव निवासी ललन सिंह की पत्नी पूनम देवी के रूप में हुई है।परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार को पूनम देवी अपने पति ललन सिंह के साथ गांव के पास स्थित जंगल में डोरी चुनने गई थीं। दोनों जंगल में काम कर ही रहे थे कि अचानक एक विशालकाय जंगली हाथी उनके सामने आ गया।हाथी को देखकर दोनों अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। लेकिन भागने के क्रम में हाथी ने पूनम

देवी को दौड़ाकर पकड़ लिया और उन पर हमला कर दिया।जब हाथी पूनम देवी को पटक रहा था, तब उनके पति ललन सिंह ने गजब के साहस का परिचय दिया। उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए शोर मचाना शुरू किया और शोर सुनकर हाथी वहां से भाग खड़ा हुआ। हाथी के जाने के बाद ललन सिंह ने तुरंत स्थानीय ग्रामीणों को इसकी सूचना दी और सबकी मदद से घायल पूनम देवी को जंगल से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि महिला के सिर, कमर और शरीर के अन्य हिस्सों में काफी गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। अस्पताल में प्राथमिक उपचार तो कर दिया गया है, लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए तुरंत हायर सेंटर (रिम्स या अन्य बड़े अस्पताल) रेफर कर दिया गया है।

इस घटना के बाद से विलायती खेर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भारी दहशत का माहौल है ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र के जंगलों में जंगली हाथियों का मूवमेंट काफी बढ़ गया है।हाथियों के डर से लोग जंगल जाने से कतरा रहे हैं, जिससे वन उपज पर निर्भर रहने वाले परिवारों के सामने संकट खड़ा हो गया है।ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि हाथियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए और प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

धालभूमगढ़ में पदस्थापित चक्रधरपुर की महिला सुपरवाइजर का निधन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : चक्रधरपुर के पंप रोड निवासी एवं धालभूमगढ़ प्रखंड के बाल विकास परियोजना कार्यालय में पदस्थापित महिला सुपरवाइजर एलएस दानेस देवी का रविवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर से आंगनबाड़ी कर्मियों और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार एलएस दानेस देवी पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ प्रखंड में महिला सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थीं। इससे पूर्व वे मनोहरपुर में भी अपनी सेवाएं दे चुकी थीं।आगामी सितंबर 2026 में उनका सेवानिवृत्त होना निर्धारित था, लेकिन बीमारी के कारण उनका इलाज जमशेदपुर स्थित टीएमएच अस्पताल में चल रहा था।इलाज के दौरान रविवार को उन्होंने अंतिम सांस ली।झारखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष मार्टिन मुर्मू ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एलएस दानेस देवी एक कर्तव्यनिष्ठ एवं समर्पित कर्मी थीं। संघर्ष मोर्चा की ओर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन घड़ी में ईश्वर से शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई है।

प्रावधान से अधिक पशु शेड बनाया, निंदन की सजा मिली

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मनोज कुमार तिवारी को कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में दंड दिया गया है। जब वह पलामू के पाटन में प्रखंड विकास पदाधिकारी थे, तो उन्होंने बरवाडीह व पाटन में प्रावधान से काफी अधिक पशु शेड का निर्माण कराया दिया था। वहां के उपायुक्त ने माना कि उन्होंने मनरेगा के कार्य में लापरवाही व अनुशासनहीनता बरती है, जिससे सरकार को वित्तीय क्षति हुई है।ऐसे में उपायुक्त ने 10 सितंबर 2024 को आरोप पत्र तय करते हुए ग्रामीण विकास विभाग से कार्रवाई की अनुशंसा की थी।विभाग ने इसे कार्मिक विभाग को भेज दिया। इस मामले में बीडीओ से दो बार स्पष्टीकरण मांगा गया।उन्होंने 28 जनवरी 2025 को जवाब दिया। इसे विभाग ने स्वीकार्य नहीं किया।इसके बाद उन्हें इस मामले में दोषी मानते हुए निंदन की सजा दी है।

धालभूमगढ़ में पदस्थापित चक्रधरपुर की महिला सुपरवाइजर का निधन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : चक्रधरपुर के पंप रोड निवासी एवं धालभूमगढ़ प्रखंड के बाल विकास परियोजना कार्यालय में पदस्थापित महिला सुपरवाइजर एलएस दानेस देवी का रविवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर से आंगनबाड़ी कर्मियों और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार एलएस दानेस देवी पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ प्रखंड में महिला सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थीं। इससे पूर्व वे मनोहरपुर में भी अपनी सेवाएं दे चुकी थीं।आगामी सितंबर 2026 में उनका सेवानिवृत्त होना निर्धारित था, लेकिन बीमारी के कारण उनका इलाज जमशेदपुर स्थित टीएमएच अस्पताल में चल रहा था।इलाज के दौरान रविवार को उन्होंने अंतिम सांस ली।झारखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष मार्टिन मुर्मू ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एलएस दानेस देवी एक कर्तव्यनिष्ठ एवं समर्पित कर्मी थीं। संघर्ष मोर्चा की ओर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन घड़ी में ईश्वर से शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई है।

मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र नामाहातु में चला पल्स पोलियो अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : बंदगांव प्रखंड अंतर्गत नकटी पंचायत के मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र नामाहातु में रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुखिया मिथुन गागराई एवं मुंडा बिरसिंह गागराई ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर किया।इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने सभी बच्चों को समय पर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं, ताकि समाज को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से पूरी तरह मुक्त बनाया जा सके।कार्यक्रम के दौरान बच्चों के स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ केक काटकर पल्स पोलियो दिवस मनाया गया। इसके बाद बच्चों के बीच मिठाई एवं चॉकलेट का वितरण किया गया, जिससे बच्चों और अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।मुखिया मिथुन गागराई ने कहा कि पोलियो उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि आने वाली पीढ़ी स्वस्थ एवं सुरक्षित रह सके।कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से सीएचओ अमिता कुमारी, एएनएम पिंकी कुमारी महतो, एमपीडब्ल्यू नितेश कुमार मंडल, एमपीडब्ल्यू सुमित कुमार महतो, सहिया लक्ष्मी गगराई, सेविका, सहायिका तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अभिभावक उपस्थित थे।

प्रावधान से अधिक पशु शेड बनाया, निंदन की सजा मिली

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मनोज कुमार तिवारी को कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में दंड दिया गया है। जब वह पलामू के पाटन में प्रखंड विकास पदाधिकारी थे, तो उन्होंने बरवाडीह व पाटन में प्रावधान से काफी अधिक पशु शेड का निर्माण कराया दिया था। वहां के उपायुक्त ने माना कि उन्होंने मनरेगा के कार्य में लापरवाही व अनुशासनहीनता बरती है, जिससे सरकार को वित्तीय क्षति हुई है।ऐसे में उपायुक्त ने 10 सितंबर 2024 को आरोप पत्र तय करते हुए ग्रामीण विकास विभाग से कार्रवाई की अनुशंसा की थी।विभाग ने इसे कार्मिक विभाग को भेज दिया। इस मामले में बीडीओ से दो बार स्पष्टीकरण मांगा गया।उन्होंने 28 जनवरी 2025 को जवाब दिया। इसे विभाग ने स्वीकार्य नहीं किया।

मझगांव मे आसमानी बिजली गिरने से एक युवक की मौत, बच्चों सहित अन्य पांच घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : मझगांव थाना क्षेत्र मे आसमानी बिजली गिरने से एक युवक की मौत, तीन बच्चे सहित पांच लोग घायल हो गए।रविवार लगभग 4 बजे तेज बारिश के साथ जोरदार आकाशीय बिजली गरज रही थी। मझगांव थाना क्षेत्र के सोनापोस पंचायत अंतर्गत चतरिसाई गांव मे जोरदार आसमानी बिजली गिरी उसके चपेट में आकर घर के अंदर स्थानीय निवासी विक्की पिंगुवा 25 वर्षीय (पिता स्वर्गीय रामेश्वर पिंगुवा) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।उसी घर में विक्की के साथ कृष्ण मुंडा 22 वर्षीय, और तीन छोटे-छोटे बच्चे भी मौजूद थे। अंजलि सिरका 10 वर्षीय, अंजू सिरका 8 वर्षीय, और आयुष सिरका 6 वर्षीय (सभी पिता देवरी सिरका) बृजपात के चपेट में आकर जख्मी हो गए।वही मझगांव गांव के दिलदार चौक समीप पानी छूटने के बाद लगभग 5:30 बजे अपने घर जा रही मझगांव लातारसाई निवासी महिला मांतरनी कोडेंकल(22 वर्षीय) पति हरीश पिंगुवा आसमानी बिजली के चपेट में आकर गंभीर रूप से जख्मी हो

गई। उस दौरान एक अन्य बाइक सवार भी बिजली के चपेट में आकर गिर गए थे।उन्हें भी हल्की-फुल्की चोट लगी है लेकिन राहगीर होने के कारण वह बाइक लेकर चला गया। वही मृतक सहित दोनों गांव के घायलों को मजगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अपने-अपने परिजन लेकर आए।केंद्र में उपस्थित प्रभारी डॉक्टर सनातन चातार ने चतरिसाई निवासी विक्की पिंगुवा को जांच उपरांत अमृत घोषित कर दिया और महिला सहित सभी बच्चों का तत्काल प्राथमिक उपचार आरंभ कर अत्यधिक गंभीर महिला मांतरनी को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया है।डॉक्टर ने बताया कि बच्चों को हल्की-फुल्की बिजली की आहट लगी है।बच्चे सभी सुरक्षित है लेकिन मजगांव निवासी महिला के दाहिने कंधे की हड्डी क्रैक करी है और वह जख्मी भी हुई है।सूचना पाकर मझगांव पुलिस अस्पताल पहुंची हुई थी और मृतक को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा सोमवार सुबह भेजी जाएगी।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580

संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

मजदूर जनता दल यू की एक दिवसीय बैठक सह अभिनंदन समारोह संपन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः मजदूर जनता दल यू की ओर से रविवार को धनबाद परिसदन में बैठक सह अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया । अध्यक्षता मजदूर जदयू के जिला अध्यक्ष सुभाष चन्द्र सिंह ने की।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के जिलाध्यक्ष पिन्टु कुमार सिंह, मजदूर जदयू के प्रभारी राजेन्द्र राही, विशिष्ट अतिथि के रूप में पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव एवं प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह उपस्थित थे। बैठक में मजदूर जदयू की प्रथम सूची जारी की गई। इसमें जिला पदाधि कारियों में उपाध्यक्ष राम आसेर लाल, किशोर मिश्रा, दीपेश चौधरी, महासचिव पवन कुमार गुप्ता, बिरेन्द्र कुमार, सचिव दीपक कुमार सिंह, संगठन सचिव विद्या भूषण पासवान, कोषाध्यक्ष गौतम कुमार सिंह को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया।इस कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों ने मजदूर जदयू के नये जिला अध्यक्ष सुभाष चन्द्र सिंह का अभिनंदन किया गया। वक्ताओं ने नेताओं ने कहा कि उनके मनोनयन से पूरे जिले में मजदूर जदयू का सगंठन काफी मजबूत होगी। सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि धनबाद में जितने भी आउटसोर्सिंग चलाया जा रह है उसमें ज्यादातर गैर कानूनी तरीके से चलाया जा रहा है और जितना सुविधा विस्थापितों को मिलनी चाहिए, वह नहीं के बराबर है। इन सारी मुद्दो को लेकर मजदूर जनता दल यू अगस्त माह में कोयला भवन के सामने एक दिवसीय महा धरना देगा। । कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के जिलाध्यक्ष पिन्टु कुमार सिंह, मजदूर जदयू के प्रभारी राजेन्द्र राही, विशिष्ट अतिथि के रूप में पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव, प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह, प्रदेश सचिव राजु कुमार सिंह, विजय सिंह कुशवाहा, युवा जदयू के जिला अध्यक्ष बबलु मोदक, महिला जिला अध्यक्ष पुष्पा पाण्डेय, वुद्धिजीवि जिलाध्यक्ष अधिवक्ता दिलीप सिन्हा , रीता रानी मण्डल, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, शंकर चौरसिया, निवास गोप, गीता देवी, जिला उपाध्यक्ष अनिल सिन्हा, झप्पु सिन्हा इत्यादि उपस्थित थे।

विधायक राज सिन्हा ने कार्यकताओं के साथ सुनी पीएम मोदी के मन की बात

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःधनबाद विधायक राज सिन्हा ने रविवार को मनईटांड़ मंडल के बूथ संख्या 329 के दुहाटांड़ हनुमान मंदिर परिसर में कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण को सुना। इस अवसर पे विधायक राज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में आत्मनिर्भर भारत की सशक्त होती रक्षा क्षमता के प्रतीक आईएनएस दुनागिरी, आईएनएस संशोधक, आईएनएस अग्रय तथा स्वदेश निर्मित सी-295 विमान का उल्लेख किया। उन्होंने देश की बढ़ती सामरिक शक्ति पर प्रकाश डाला। साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से विश्व में भारत की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा, 'वोकल फॉर लोकल' को जनआंदोलन बनाने का आह्वान भी किया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से करोड़ों परिवारों को प्राप्त सामाजिक सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्धन, तथा विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी और युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने प्रेरक विचार साझा किए। प्रधानमंत्री जी का प्रत्येक संदेश राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदढ़ करने, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को गति देने तथा प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होकर सक्रिय योगदान देने की प्रेरणा प्रदान करता है। विधायक राज सिन्हा ने दुहाटांड़ हनुमान मंदिर परिसर में मंडल अध्यक्ष इंद्रभूषण कुशवाहा एवं उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता के द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक ने स्वयं भी नेत्र परीक्षण कराकर सभी नागरिकों से समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने का आग्रह किया। इस अवसर पर महामंत्री रूपेश सिन्हा, रिंकू सिंह, दीपक झा, सतीश रजक, दिवेश सिंह, विकास गुप्ता, सपन कश्यप, अखिल भारतीय मद्धेशिया वैश्य समाज के जिला प्रमुख अखिलेश गुप्ता, धीरज शर्मा, रंजीत सिंह, सनोज कुशवाहा, सुनीता साव, निशांत पंडित, पवन साव, अनमोला भारती, सुरेंद्र सिंह, गणेश महतो सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सीआरपी-बीआरपी कर्मियों ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को सौंपा ज्ञापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःसीआरपी एवं बीआरपी कर्मियों का प्रतिनिधिमंडल रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास से उनके आवास पर मुलाकात कर लंबित मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कर्मियों ने बताया कि सर्व शिक्षा अभियान को गांव- गांव और सुदूरवर्ती विद्यालयों तक पहुंचाने तथा शैक्षणिक गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने में सीआरपी और बीआरपी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके बावजूद लंबे समय से कार्यरत कर्मियों को अब तक नियमित वेतनमान, ग्रेच्युटी, अर्जित अवकाश (ईएल) सहित अन्य सेवा सुविधाओं का लाभ नहीं मिल सका है। वर्षों से सेवा देने के बावजूद उनकी मांगों की अनदेखी की जा रही है, जिससे कर्मियों में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर उनकी योग्यता, अनुभव एवं लंबे सेवा काल को ध्यान में रखते हुए वेतनमान लागू कराने तथा नियुक्ति में आरक्षण सुनिश्चित करने की दिशा में सहयोग करने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें 30 जून को रांची आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संबंधित उच्च अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर आगे की कार्रवाई और समाधान के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा नेता धनेश्वर महतो के साथ बीआरपी बहादुर महतो, आस्तिक सोरेन, गौरव आनंद एवं रुही अख्तर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाकर डीडीसी ने की पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिले में रविवार को पल्स पोलिया अभियान की शुरूआत हुई। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज ने रविवार सुबह धनबाद सदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 0 से 5 वर्ष तक के अगस्त्या सिन्हा, सनव, मिशिका, देवांशी को ₹दो बूंद जिंदगी की₹ खुराक पिलाकर देशव्यापी पल्स पोलियो अभियान की धनबाद में शुरूआत की। उप विकास आयुक्त ने जिले के सभी अभिभावकों से उनके 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने की अपील की। उन्होंने कहा बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर आने वाली पीढ़ी को पोलियो से सुरक्षित करें। उन्होंने कहा कि बरसात के बाद पोलियो का संक्रमण होने की आशंका बनी रहती है। इसलिए इस देशव्यापी अभियान का शुभारंभ बरसात से पहले किया गया है। बताया कि पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 28 जून से 30 जून तक जिले के 4 लाख 24 हजार 729 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। 28 जून को 1976 बूथ पर एवं 29 व 30 जून को छुटे हुए बच्चों को घर-घर में पल्स पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। सिविल सर्जन ने बताया कि इसके 1976 बूथ संचालित किए गए हैं। अभियान की निगरानी के लिए 392 सुपवाईजर फिल्ड में हैं। हर बूथ पर पल्स पोलियो दवा पहुंचाने तथा दवा की गुणवत्ता को उच्च कोटि की बनाये रखने के लिए 137 सबडिपो की व्यवस्था की गई हैं। बच्चों को दवा पिलाने से पूर्व उप विकास आयुक्त में दीप प्रज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया। मौके पर सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रोहित गौतम, उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ दीपक कुमार, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, एमओआईसी डॉ अनिता चौधरी, डीपीसी रेखा कुमारी सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

किताबों की दुनिया लेकर धनबाद पहुंची पुस्तक परिक्रमा बस, युवाओं में पढ़ने की संस्कृति बढ़ाने की पहल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःभारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत संचालित बिहार-झारखंड पुस्तक परिक्रमा अभियान की चलंत पुस्तकालय बस रविवार को धनबाद पहुंच गई। पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने और बच्चों व युवाओं को पुस्तकों से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह अभियान 30 जून तक धनबाद जिले के अलग-अलग शैक्षणिक और सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण करेगा। इसके बाद यह बस बोकारो के लिए रवाना होगी।

पुस्तक परिक्रमा बस में हिंदी, मैथिली और अंग्रेजी भाषाओं की सैकड़ों किताबें उपलब्ध हैं। इसमें साहित्य, बाल साहित्य, विज्ञान, इतिहास, संस्कृति, व्यक्तित्व विकास, प्रेरक साहित्य और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण पुस्तकें शामिल हैं।

पुस्तक प्रेमियों और विद्यार्थियों ने इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि किताबें सिर्फ ज्ञान का माध्यम नहीं बल्कि विचार और व्यक्तित्व निर्माण का भी मजबूत आधार हैं। डिजिटल युग में जहां मोबाइल और इंटरनेट के कारण पढ़ने की आदत कम होती जा रही है, वहीं यह अभियान लोगों को फिर से पुस्तकों की ओर आकर्षित करने का काम कर रहा है।इस चलंत पुस्तकालय में पाठक अपनी पसंद की किताबों का निःशुल्क अध्ययन कर सकते हैं। वहीं पुस्तक खरीदने की सुविधा भी उपलब्ध है। आम पाठकों को पुस्तकों की खरीद पर 10 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, जबकि विद्यार्थियों और शिक्षकों को 25 प्रतिशत तक विशेष छूट का लाभ मिलेगा।

अभियान का उद्देश्य समाज में पठन-पाठन की संस्कृति को मजबूत करना और नई पीढ़ी को किताबों की दुनिया से जोड़ना है। सोमवार को यह पुस्तक परिक्रमा बस एसएसएलएनटी महिला कॉलेज के पास पहुंचेगी, जहां छात्र-छात्राएं और पुस्तक प्रेमी इसका लाभ उठा सकेंगे।

कतरास सवर्ण समाज ने दिया एकजुटता का नारा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कतरास सवर्ण समाज की आम सभा में एकजुटता का नारा दिया गया। विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर आम सभा में चर्चा की गई। आम सभा में ब्राह्मण, राजपूत, भूमिहार एवं कायस्थ (लाला) समाज के लोगों का जितन हुआ। आमसभा रविवार को कतरास फोरलेन स्थित माँ तारा बैंक्वेट हॉल लिलोरी मंदिर में की गई। सभा में चारों समाज के बड़ी संख्या में युवा एवं बुद्धिजीवी वर्ग शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज की एकता, संगठन की मजबूती, सामाजिक चुनौतियों, अधिकारों की रक्षा तथा वर्तमान समय के विभिन्न सामाजिक एवं समसामयिक मुद्दों पर विस्तार से मंथन किया गया। सभा की शुरूआत समाज की एकजुटता के संकल्प के साथ हुई. वक्ताओं ने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में समाज को संगठित एवं जागरूक बनाए रखना समय की आवश्यकता है। यदि समाज के लोग एक मंच पर आकर सामूहिक रूप से कार्य करेंगे, तो सामाजिक हितों की रक्षा के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए भी मजबूत आधार तैयार किया जा सकेगा। सभा में संगठन के उद्देश्य, विस्तार और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज में शिक्षा, युवाओं की भागीदारी, सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग तथा जनहित के मुद्दों पर मिलकर काम करने की जरूरत है। समाज के लोगों से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने और संगठन को गांव-गांव तथा मोहल्लों तक मजबूत करने का आह्वान किया गया। आमसभा में उपस्थित ब्राह्मण, राजपूत, भूमिहार एवं कायस्थ समाज के प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने विचार रखे। संगठन को मजबूत बनाने तथा लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। साथ ही सभी लोगों ने समाज की एकता और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। अध्यक्षता काली सिंह व संचालन मुकेश राय तथा रंजीत सिंह ने किया। इस दौरान बाघमारा कमेटी का चयन किया गया।

भू - धंसान प्रभावित कांटा पहाड़ी की महिलाओं ने किया विरोध प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कतरास अंगारपथरा कांटापहाड़ी में दरार व भू-धंसान से प्रभावित परिवारों की महिलाओं ने रविवार को विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि न तो प्रशासन और न ही बीसीसीएल उनकी समस्या समाधान पर ध्यान दे रहा है। सिर्फ हमलोगों से सहयोग व वोट लिया जाता है। हमलोगों के मोहल्ले लगातार भू-धंसान की घटना हो रही है लेकिन सुध लेने वाला नहीं है। महिलाओं ने कहा कि अगर आज हमारी समस्या को सुनने कोई नहीं आता है तो मोहल्ले की महिला व पुरुष सभी कतरास क्षेत्रीय कार्यालय का घेराव करेंगे। महिलाओं ने कहा कि लगातार तीन दिनों तक कांटा पहाड़ी विद्युत सब स्टेशन में विरोध प्रदर्शन किए लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला। मोहल्ले के बगल में स्थित मैदान में लगातार भू-धंसान हो रहा है। जमीन में बड़े बड़े दरारें पड़ गई है। इधर विरोध की सूचना पाकर वार्ड संख्या चार के पार्षद राममूर्ति सिंह उर्फ छोटू सिंह मौके पर पहुंचे और महिलाओं को समझा बुझाकर शांत कराया। पार्षद ने एकेडब्लूएमसी कोलियरी के पीओ जयंत कुमार, क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी संजय चौधरी सहित अन्य अधिकारियों से दूरभाष पर बात की। पार्षद ने बताया कि भू- धंसान स्थल की हर हाल में भराई कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विधायक मथुरा प्रसाद महतो से भी बात की गई है। मोहल्ले के लोगों की मांग जायज है। बच्चा या फिर मवेशी इस गोफ में जा सकते हैं। इस समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाएगा। वहीं महिलाओं ने बताया कि गुरुवार व शुक्रवार को कांटा पहाड़ी विद्युत सब स्टेशन में प्रदर्शन के दौरान एकेडब्लूएमसी कोलियरी प्रबंधक नागदेव यादव ने हमलोगों को भू- धंसान स्थल की भराई कराने का आश्वासन दिया था। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

एसआईआर के वॉलंटियरों को दी गई ट्रेनिंग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःमतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए तैनात किए वालंटियरों को रविवार को ट्रेनिंग दी गई। न्यू टाउन में दी गई इस ट्रेनिंग में एसडीओ लोकेश बारंगे भी मौजूद थे। धनबाद विधानसभा में 17 सौ से भी अधिक वॉलंटियरों की तैनाती की गई है। तैनात किए गए अधिकतर वॉलेंटियर शिक्षक है। ट्रेनिंग के दौरान वॉलिटियर्स को विभिन्न प्रपत्र, मतदाता सूची में एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ या डुप्लीकेट मतदाताओं से संबंधित जानकारी, गणना प्रपत्र इत्यादि से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को त्रुटि रहित एवं समय पर संपन्न कराने के लिए बीएलओ को सहायता प्रदान करने के लिए वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रक्रियाओं को सुगम, समावेशी और शत-प्रतिशत त्रुटिहीन बनाना है, जिसमें वॉलेंटियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। वॉलेंटियर्स को उनके कर्तव्यों, जिम्मेदारियों और विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी विभिन्न जानकारी दी गई। अनुमंडल दंडाधिकारी ने सभी वॉलेंटियर्स से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपील की। प्रशिक्षण में अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे के साथ उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अंचल अधिकारी धनबाद राम प्रवेश, अंचल अधिकारी पुटकी विकास आनंद उपस्थित थे।

आउटसोर्सिंग के नाम पर कोयले की लूट की जा रही है

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः नागरिक एकता मंच के बैनर तले कुजामा में रविवार को सभा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के सांसद ढुलू महतो उपस्थित थे। इसके पूर्व ग्रामीणों द्वारा कुजामा चेकपोस्ट पर स्वागत किया गया।लोगो ने बताया कि जिस स्थान पर सभा की जा रहा था वह लाल झंड़ा का गढ़ माना जाता है। लाल झंड़ा के कई समर्थक सभा को सम्बोधित करते देखे गए। जिससे कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। सभा को सम्बोधित करते हुए सांसद ने लाल झंड़ा के एक कद्दावर नेता पर ही बरस पड़े। कहा कि धनबाद और निरसा में विकास का काम हो रहा है, तो उसके पेट में दर्द हो रहा है। आज हर तरफ लूट मची है। माफिया कोयला और आउटसोर्सिंग के आड़ में लूट मचा रखा है।ठेका मजदूरों को एचपीसी का वेतन नहीं दिया जा रहा है।पुनर्वास के नाम पर हटाने का खेल किया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा जेआरडीए के तहत बेलगड़ियां में गरीबों को आवास देना है। लेकिन बेलगड़ियां में आवास न देकर दूसरे जगहों पर भेजा जा रहा है। लोदना क्षेत्र में विस्थापन के नाम पर परेशान किया जा रहा है। इस-।को लेकर जिला प्रशासन और उपायुक्त के साथ साथ बीसीसीएल प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि गरीबो के साथ अन्याय हुआ तो जिला प्रशासन और डीसी के खिलाफ भी आंदोलन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पूरे झारखंड में राष्ट्र की सम्पत्ति की लूट मची है।हर क्षेत्र से बड़े पैमाने पर कोयला चोरी जारी है।जो लोग इसका विरोध करते हैं,उन पर एफआईआर की जाती है।मौके पर संजय महतो, नागेश्वर पासवान, सुरेन्द्र पासवान, पूर्व पार्षद अनूप कुमार साव,सुरज भुइंया, राजकुमार भुइंया,गफार खान, अजय साव,मनोज साव,रुदल पासवान आदि थे।

बरोरा क्षेत्र में एक जुलाई को मांग दिवस मनाने की रणनीति तैयार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बीसीसीएल के डुमरा गेस्टहाउस में संजय चौबे की अध्यक्षता में बरोरा क्षेत्रीय संयुक्त मोर्चा की बैठक हुई। एक जुलाई को आयोजित होने वाले 'मांग दिवस' को सफल बनाने की बैठक में रणनीति बनी। सभी यूनियनों के पदाधिकारियों के साथ विचारवि मर्श के बाद यूनिटों और कार्यालयों पर प्रदर्शन और पिट मीटिंग करने का निर्णय लिया गया। सोमवार को मुराडीह वर्कशॉप में पिट मीटिंग की जायेगी। एक जुलाई को बरोरा क्षेत्र के एएमपीसी, दामोदा, न्यू बेनीडीह, सायलो प्लांट और शताब्दी कोलियरी के हाजिरी घरों पर चरणबद्ध तरीके से पिट मीटिंग होगी। एक जुलाई को ही जीएम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते का निर्णय लिया गया। मौके पर संतोष गोराई, नर्मदेश्वर पांडेय, मंगल हेम्ब्रम, देवानंद राजभर और अमरेन्द्र कुमार, एचएन प्रसाद गांधी, दयाल महतो, नवल किशोर महतो, रामस्वरूप मिश्रा, राजीव प्रसाद महतो, गणेश सिंह,उदय शंकर चौहान, सुमन कुमार पांडेय, नंदू नोनिया, मुकुटधारी गोराई, आदि मौजूद थे ।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी जॉन भेंगरा के निधन पर शोक सभा, खेल जगत ने दी श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग ट्रांसपोर्ट के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी एवं कोर्रा निवासी जॉन भेंगरा का निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से जिले के खेल जगत में शोक की लहर है।जॉन भेंगरा के निधन पर हजारीबाग एथलेटिक्स फुटबॉल के सदस्यों ने रविवार को कर्जन ग्राउंड में शोक सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।शोक सभा को संबोधित करते हुए भैया मुरारी ने कहा कि जॉन भेंगरा न केवल एक उत्कृष्ट फुटबॉल खिलाड़ी थे, बल्कि एक कुशल फुटबॉल रेफरी के रूप में भी उनकी पहचान थी। वे सरल स्वभाव, अनुशासित व्यक्तित्व और खेल भावना के लिए सदैव याद किए जाएंगे।उनका निधन हजारीबाग के खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।शोक सभा में तापस चक्रवर्ती, नजरुल हसन, सरफराज, बहादुर राम, महताब आलम, आफताब डुली, सूरज सिंह, सुबोध कुमार, योगेश कुमार, परमेश्वर गोप, रमेश कुमार, पप्पू कुमार, दिलीप कुमार सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।सभी ने दिवंगत खिलाड़ी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। जिसमें श्रद्धांजलि, खेल योगदान और शोक सभा के प्रमुख बिंदुओं को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया गया है।

सोनाहातू में वज्रपात से फॉरेस्ट गार्ड की मौत,दो अन्य वनकर्मी घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रविवार दोपहर तेज बारिश और वज्रपात के दौरान सोनाहातू थाना क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक हादसे में खूंटी वन प्रमंडल में कार्यरत फॉरेस्ट गार्ड रोशन श्रीवास्तव (32) की मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद दो अन्य वनकर्मी घायल हो गए।वन विभाग की टीम हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी और बचाव के लिए बनाए जा रहे वॉच टावर का निरीक्षण करने पहुंची थी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, निरीक्षण के दौरान अचानक मौसम खराब हो गया।तेज बारिश के साथ हुई जोरदार बिजली गिरने की चपेट में रोशन श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गए।उनके साथ मौजूद दो अन्य वनकर्मी भी झुलस गए।घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को सोनाहातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने रोशन श्रीवास्तव की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स,रांची रेफर कर दिया। हालांकि, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।वहीं, घायल दोनों वनकर्मियों का इलाज जारी है और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। रोशन श्रीवास्तव बुंडू नगर के निवासी थे और वर्तमान में बुंडू वन कार्यालय में फॉरेस्ट गार्ड के पद पर कार्यरत थे।उनका विवाह करीब तीन वर्ष पहले हुआ था। परिवार में उनकी पत्नी, दो वर्ष की एक बेटी और वृद्ध माता-पिता हैं। वे अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री के आमंत्रण पर केंद्रीय खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडवीया जुलाई के दूसरे हफ्ते में रांची आएंगे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आमंत्रण पर झारखंड में खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए जुलाई के दूसरे हफ्ते में भारत सरकार के केंद्रीय खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडवीया रांची आएंगे। झारखंड में खेल संघ और खिलाड़ियों के साथ संवाद करेंगे खेल के क्षेत्र में अपार संभावना और अवसर प्राप्त हो इन सभी बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी ताकि झारखंड के बच्चे प्रदेश और राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय ,स्तर पर अपनी पहचान सुनिश्चित कर सके।श्री सेठ ने बताया रांची आगमन पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडवीया खेल गांव का भी निरीक्षण करेंगे ताकि खेल के क्षेत्र में असीम संभावनाओं को तलाशा जा सके।

प्रतिबंधित सिरप और नशीले टैबलेट के साथ सौदागर गिरफ्तार चार चक्का स्कूटी से करता था नशा का कारोबार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग जिले को नशामुक्त जिला बनाने को लेकर पुलिस छापामारी और जागरूकता अभियान लगातार चला रही है। इसके तहत हजारीबाग एसपी अमन कुमार के गुप्त सूचना पर पेलावल ओपी क्षेत्र के शाहिनबाग आंगनबाड़ी केंद्र के समीप पेलावाल पुलिस ने छापामारी किया।छापामारी के दौरान नशीले और प्रतिबंधित सिरप भारी मात्रा में जब्त हुआ। साथ ही पुलिस ने प्रतिबंधित सिरप के साथ बागी टोला निवासी मो इश्तियाक को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 80 टैबलेट्स और प्रतिबंधित सिरप इंटेक्स के 100 एमएल के 40 पीस सीसी बरामद की गई है। पेलावल पुलिस के अनुसार पकड़े गए नशे के सौदागर जूपिटर कंपनी के चार चक्का स्कूटी में प्रतीबंधित सिरप और नशीले टैबलेट ले जा रहा था। पुलिस के समक्ष पकड़े गए आरोपी ने खुलासा किया कि सीसी पर प्रिंट मूल्य से चौगुना मूल्य पर युवकों को सिरप और टैबलेट को बेचता है।यह सिरप और टैबलेट को युवा नशा के लिए इस्तेमाल करते है।हजारीबाग पुलिस नशा मुक्ति अभियान के तहत जिले भर के स्कूलों और कॉलेजों में डीएसपी, इंस्पेक्टर और एसआई रैंक के अधिकारी नशीले पदार्थों का सेवन से होने वाले नुकसान की जानकारी दे रहे है। नशीले पदार्थ की बिक्री करनेवाले सौदागरों की गिरफ्तारी के लिए स्कूल कॉलेज के छात्रों से सहयोग करने की अपील किया है।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के सफल संचालन को लेकर बूथ वार वॉलिंटियर्स का एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले में आगामी मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल एवं त्रुटिरहित संचालन को लेकर जिला प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ तैयारियों में जुट गया है। इसी क्रम में प्रोजेक्ट समावेश के तहत रविवार को टाटा कॉलेज, चाईबासा स्थित बहुउद्देशीय सभागार में जिले के सभी प्रतिनियुक्त बूथ वार वॉलिंटियर्स के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य वॉलिंटियर्स को निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना, उनकी भूमिका को स्पष्ट करना तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को अधिक प्रभावी बनाना था।कार्यशाला में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मनीष कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी बंधन लॉन्ग, पोड़ाहाट-चक्रधरपुर अनुमंडल

पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी, प्रशिक्षु आईएएस ईरा जोरवाल, जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेमराज टोप्पो सहित जिला प्रशासन के कई पदाधिकारी, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में बूथ वार वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में से एक है।यदि मतदाता सूची शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित होगी, तभी प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेगा और लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित होगी।उन्होंने कहा कि इस अभियान में बूथ वार वॉलिंटियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और जिम्मेदारीपूर्ण है। वॉलिंटियर्स को पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं समर्पण के साथ कार्य करना होगा तथा प्रत्येक स्तर पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का सहयोग करना होगा, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रहे।उपायुक्त ने बताया कि 30 जून 2026 से जिले के सभी बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्रों का दो-दो प्रतियों में वितरण प्रारंभ करेंगे। इस प्रक्रिया में वॉलिंटियर्स की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है।उन्होंने वॉलिंटियर्स को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर मतदाताओं को प्रपत्र भरने में सहायता करें, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं तथा समय पर भरे हुए प्रपत्रों को जमा कराने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि यदि किसी पात्र नागरिक का नाम सूची में नहीं है या उसमें किसी प्रकार की त्रुटि है तो उसका समय पर सुधार कराना भी वॉलिंटियर्स की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी।कार्यशाला के दौरान बताया गया कि 29 जून 2026 को जिले के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) के माध्यम से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विशेष रूप से पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ना तथा उन्हें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने एवं मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करना है।

अधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र की सफलता तभी संभव है जब युवा वर्ग सक्रिय रूप से निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी निभाए।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में वॉलिंटियर्स को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया से विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया।प्रशिक्षण के दौरान निम्न विषयों पर विशेष जानकारी दी गई।

एक जुलाई से लागू होगी वीबी जीरामजी योजना, झारखंड में मनरेगा की 11.38 लाख अधूरी योजनाएं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : एक जुलाई से देशभर में मनरेगा की जगह वीबी जीरामजी योजना लागू होने जा रही है।वीबी जीरामजी के युक्तधारा पोर्टल में झारखंड में मनरेगा तहत संचालित कई योजनाएं शामिल नहीं की जायेंगी। झारखंड में संचालित अबुआ आवास योजना, दीदी बाड़ी योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना, डोभा जैसी योजनाओं के लिए वीबी जी रामजी के युक्तधारा पोर्टल में इंट्री के लिए अलग से कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है।ऐसी परिस्थिति में अब अबुआ आवास योजना, दीदी बाड़ी योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना, डोभा जैसी योजना में वीबी जीरामजी से फंड नहीं मिल पायेगा।अब इन योजनाओं का संचालन पुराने नाम और स्वरूप में आगे नहीं हो सकेगा। इन योजनाओं में अबुआ आवास में मजदूरी मद की राशि मनरेगा से कन्वरजेंस के तहत भुगतान किया जा रहा है।मनरेगा के पोर्टल के अनुसार, एक जुलाई से वीबी जी राम जी में ग्राम सभा के अनुसार नयी योजनाओं की इंट्री होगी।इस स्थिति में झारखंड के 24 जिलों में कुल 11.38 मनरेगा की योजनाएं अधूरी है। इसमें बिरसा

संवर्धन सिंचाई कूप, पशुशेड, डोभा सहित अन्य मनरेगा की अधूरी योजना है।मनरेगा आयुक्त के स्तर से पहले ही संबंधित अधिकारियों को इन लंबित योजनाओं को बंद करने का निर्देश दिया गया था, बावजूद इसके 25 जून तक बड़ी संख्या में योजनाएं बंद नहीं हो सकी हैं।ऐसे में एक जुलाई से नयी व्यवस्था लागू होने के बाद इन अधूरी योजनाओं के भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।वीबी जी रामजी योजना के पोर्टल में डोभा कार्य के लिए कोई अलग विकल्प नहीं होने से डोभा की इंट्री भी नहीं होगी।वीबीजी रामजी योजना में अबुआ आवास और दीदी बाड़ी योजना को शामिल करने का प्रस्ताव राज्य सरकार की ओर से केंद्र को भेजा गया है।राज्य सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री ने भी भारत सरकार को विशेष अनुरोध पत्र भेजा है। जब प्रधानमंत्री आवास योजना में मजदूरी मद में वीबी जीरामजी से भुगतान हो सकता है, तो अबुआ आवास योजना में भी मजदूरी मद में भुगतान करना चाहिए।मनरेगा की करीब 11 लाख अधूरी योजनाओं में लगभग पांच लाख योजनाएं अबुआ आवास और दीदी बाड़ी की है। शेष करीब छह लाख लंबित योजनाओं को वीबी जीरामजी में शामिल किये जाने में कोई समस्या नहीं है। यह योजना एक जुलाई से वीबी जीरामजी में शामिल हो जायेगी। भारत सरकार से अनुमति मिलने के बाद अबुआ आवास और दीदी बाड़ी योजनाएं भी शामिल कर दी जायेंगी।

अगस्त में होगी आठवीं बोकारो जिला जूडो प्रतियोगिता, 600 खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : एमजीएम स्कूल, सेक्टर-4एफ में बोकारो जिला जूडो संघ की वार्षिक बैठक अध्यक्ष राजीव सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आठवीं बोकारो जिला जूडो प्रतियोगिता, राज्य जूडो प्रतियोगिता, एसजीएफआई चयन प्रतियोगिता और खेलो इंडिया को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी।निर्णय लिया गया कि अगस्त में आठवीं बोकारो जिला जूडो प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें जिले भर के करीब 600 खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। प्रतियोगिता किड्स, सब जूनियर, कैडेट, जूनियर और सीनियर वर्ग में कराई जायेगी।संघ ने प्रतियोगिता से 12 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को स्कॉलरशिप देने तथा 10 खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का पूरा खर्च उठाने का निर्णय लिया।बैठक में जूडो को अधिक से अधिक विद्यालयों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। मौके पर सूरज कुमार, आयुष कुमार ठाकुर, दीपक कुमार, प्रवीण कुमार, मोहसिन, पल्लव कुमार, विश्वनाथ, सतीनाथ चक्रवर्ती, आयुष राज पाठक सहित कई पदाधिकारी व प्रशिक्षक उपस्थित थे।

चक्रधरपुर के रेलवे कॉलोनियों का डीआरएम तरुण हुरिया ने निरीक्षण किया, रेल अधिकारियों को दिये कई निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : मानसून को देखते हुये चक्रधरपुर रेलवे कॉलोनियों में की गई पानी की निकासी व्यवस्था व साफ-सफाई की स्थिति का रविवार को मंडल रेल प्रबंधक तरुण हुरिया ने जायजा लिया। इस निरीक्षण के क्रम में डीआरएम श्री हुरिया ने रेलवे कॉलोनी की सड़कों व नालियों को दुरुस्त करने व रेलवे स्टेशन, पांचमोड़ व रेलवे अस्पताल के इलाकों में पुराने ढांचों व अयोग्य रेल आवासों को हटाने के लिये रेलवे के इंजीनियरों को निर्देश दिये हैं।डीआरएम श्री हुरिया ने चक्रधरपुर स्टेशन इलाके में चल रहे विकास कार्यों व रेलवे अस्पताल के विपरित दिशा में बन रहे नये पार्किंग की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।साथ ही स्टेशन के विकास कार्यों व सड़क निर्माण जैसे कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।चक्रधरपुर के पांच मोड़ व रेलवे अस्पताल क्षेत्र का डीआरएम के निरीक्षण से अवैध निर्माण कर व्यवसायिक गतिविधियां संचालित करने वालों में हड़कंप मचा रहा।इससे संभावना जताया जा रहा है

चक्रधरपुर के रेलवे कॉलोनियों का डीआरएम तरुण हुरिया ने निरीक्षण किया, रेल अधिकारियों को दिये कई निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : मानसून को देखते हुये चक्रधरपुर रेलवे कॉलोनियों में की गई पानी की निकासी व्यवस्था व साफ-सफाई की स्थिति का रविवार को मंडल रेल प्रबंधक तरुण हुरिया ने जायजा लिया। इस निरीक्षण के क्रम में डीआरएम श्री हुरिया ने रेलवे कॉलोनी की सड़कों व नालियों को दुरुस्त करने व रेलवे स्टेशन, पांचमोड़ व रेलवे अस्पताल के इलाकों में पुराने ढांचों व अयोग्य रेल आवासों को हटाने के लिये रेलवे के इंजीनियरों को निर्देश दिये हैं।डीआरएम श्री हुरिया ने चक्रधरपुर स्टेशन इलाके में चल रहे विकास कार्यों व रेलवे अस्पताल के विपरित दिशा में बन रहे नये पार्किंग की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।साथ ही स्टेशन के विकास कार्यों व सड़क निर्माण जैसे कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।चक्रधरपुर के पांच मोड़ व रेलवे अस्पताल क्षेत्र का डीआरएम के निरीक्षण से अवैध निर्माण कर व्यवसायिक गतिविधियां संचालित करने वालों में हड़कंप मचा रहा।इससे संभावना जताया जा रहा है कि इन क्षेत्रों में जल्द ही बड़े बदलाव देखने को मिलेगा। जिसको लेकर रेलवे ने योजना तैयारी की है। इस मौके पर मंडल यांत्रिक अभियंता पीके मिश्रा, वरिष्ठ अभियंता (केंद्रीय) स्पर्श भारद्वाज समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

शराब घोटाला: पूर्व मंत्री रमेश्वर उरांव और बेटे रोहित उरांव को ईडी का समन, पूछताछ के लिए बुलाया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी से जुड़े कथित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच तेज कर दी है।इसी कड़ी में ईडी ने झारखंड के पूर्व वित्त मंत्री रमेश्वर उरांव और उनके बेटे रोहित उरांव को पूछताछ के लिए समन जारी किया है।ईडी ने रोहित उरांव को 29 जून और रमेश्वर उरांव को 30 जून को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा है।

जानकारी के अनुसार, इस मामले की जांच के दौरान ईडी ने पहले रमेश्वर उरांव, उनके बेटे

रोहित उरांव और अन्य संबंधित लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की थी।जांच में यह बात सामने आई कि रोहित उरांव ने शराब कारोबार के लिए एक कंपनी के साथ एकरारनामा किया था।हालांकि, दावा किया जा रहा है कि समझौते के बाद भी उन्होंने शराब के कारोबार में सक्रिय भूमिका नहीं निभाई।ईडी की जांच का केंद्र शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी और उससे जुड़ी कंपनियों की गतिविधियां हैं।बताया जा रहा है कि झारखंड में वर्ष 2022 की नई उत्पाद नीति लागू होने से पहले योगेंद्र तिवारी से संबंधित कंपनियों के पास शराब के थोक व्यापार का लाइसेंस था।ईडी इस मामले में जांच पूरी कर अभियोजन शिकायत (प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट) भी दाखिल कर चुकी है। अब पूर्व मंत्री और उनके बेटे से पूछताछ के बाद जांच में नए खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।फिलहाल ईडी पूरे मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

अगले पांच दिनों तक बारिश और वज्रपात के आसार, वज्रपात से गढ़वा में दो व लोहरदगा में एक की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में दक्षिण-पश्चिम मानसून धीरे-धीरे सक्रिय होता जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान के पूर्वानुमान के अनुसार राज्य में अगले पांच दिनों तक अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ मेघगर्जन और वज्रपात की संभावना बनी रहेगी। रविवार को भी वज्रपात ने झारखंड में तीन लोगों की जान ले ली।गढ़वा के रंका में शहबाज अंसारी और फैजून खातून तथा लोहरदगा के कैरो में अंकिता उरांव की मौत वज्रपात से हो गयी।मौसम केंद्र के अनुसार अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने के भी संकेत हैं, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।मौसम विभाग के अनुसार रविवार को राज्य के कई हिस्सों में वर्षा दर्ज की गई।देवघर जिले के सिकटिया में सर्वाधिक 54.0 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा कोलेबिरा (40.2

मिमी), पपुनकी (30.8 मिमी), नोआमुंडी (23.6 मिमी), राजधनवार (23.2 मिमी) और पालकोट (14.8 मिमी) में भी बारिश हुई।राजधानी में छिटपुट बारिश हुई।डालटनगंज राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।वहीं रांची का न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो राज्य में सबसे कम रहा।यहां का अधिकतम तापमान 30.7 डिग्रई सेसि रहा।मौसम विभाग के अनुसार दो जुलाई तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में आसमान में बादल छाए रहेंगे।अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और मेघगर्जन होने की संभावना है। 30 जून और 1 जुलाई को कई जिलों में बारिश की गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। 29 जून को पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। 30 जून को राज्य के विभिन्न हिस्सों में वज्रपात और तेज हवाओं की संभावना, जबकि उत्तर-पूर्वी झारखंड (कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद) में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। एक जुलाई को पूर्वी एवं पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां तथा मध्य झारखंड (रांची, बोकारो, खूंटी, रामगढ़, धनबाद आदि) के कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश के आसार हैं।लोहरदगा जिला के कैरो थाना क्षेत्र के सढ़ाबे डुमरटोली गांव में रविवार दोपहर वज्रपात की चपेट में आने से सढ़ाबे डुमरटोली निवासी विजय उरांव की ढाई साल की बच्ची अंकिता उरांव की मौत हो गयी।गढ़वा जिले के रंका प्रखंड के दुधवल गांव में शनिवार की शाम मूसलाधार बारिश के दौरान हुए भीषण वज्रपात (वज्रपात) की चपेट में आने से शहबाज अंसारी (18 वर्ष), पिता- मोजिब अंसारी और फैजुन खातून (12 वर्ष), पिता- अकबर अंसारी की मौत हो गयी।

सौर ऊर्जा से चमकेगा दैहर का हरेक घर, जिला प्रशासन की बैठक में प्रस्ताव पास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : दैहर पंचायत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।जिला प्रशासन आयोजित बैठक में जिले के दस गांवों को सौर ऊर्जा की सुविधा पहुंचाने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।उसमें दैहर भी एक है।प्रस्ताव पारित होने के बाद ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है और लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही क्षेत्र में बिजली संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी।जिला प्रशासन द्वारा जारी पत्र के तहत इस

योजना से उक्त गांव के घरों,सरकारी भवनों तथा सार्वजनिक स्थलों पर चरणबद्ध तरीके से सोलर पैनल लगाए जाएंगे।इससे न केवल स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा का उपयोग बढ़ेगा बल्कि बिजली खर्च में भी कमी आएगी।ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस योजना को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।प्रशासन का मानना है कि सौर ऊर्जा के विस्तार से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।साथ ही किसानों,छात्रों और छोटे व्यवसायियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।मुखिया ब्रह्मदेव भुइयां,नागेन्द्र कुशवाहा,राकेश पांडेय,देव कुमार दांगी,कैलास पांडेय,सुरेश दांगी,बासुदेव दांगी,अशोक सिन्हा,बिनय सिंह ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे ग्रामीण विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।ग्रामीणों ने कहा दैहर प्रखंड़ का पहला ऐसा गांव बनेगी जहां अधिकांश घर सौर ऊर्जा से रोशन होंगे।

संक्षिप्त खबरें

चरोखरी पंचायत की ग्राम कचहरी में ताला तोड़ चोरी का प्रयास

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र की चरोखरी पंचायत स्थित ग्राम कचहरी में अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा ताला तोड़कर उसमें से समानों की चोरी का प्रयास किया गया है। हालांकि इसमें वह सफल नहीं हो सका। इस संबंध में पंचायत सचिव ने थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है। बताया गया है कि अज्ञात लोगों ने ग्राम कचहरी का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करने की कोशिश की। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने कचहरी का निरीक्षण किया। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कचहरी से कोई सामान चोरी हुआ है अथवा नहीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्राम कचहरी जैसे सार्वजनिक संस्थानों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन को गंभीर पहल करनी चाहिए। उनका कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ नहीं की गई तो भविष्य में इस तरह की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

घाट सेक्शन में ट्रेन से गिरकर बंगाल के यात्री की मौत, ट्रैक किनारे मिला शव

हुगली के सिंगुर निवासी अनूप चटर्जी के रूप में हुई शव की शिनाख्त, जांच में जुटी रेल पुलिस

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गया- कोडरमा रेलखंड के घाट सेक्शन में यदुग्राम और बसकटवा स्टेशन के बीच शनिवार की रात ट्रेन से गिरने से एक यात्री की मौत हो गई। घटना का पता रविवार की सुबह उस समय चला, जब रेलकर्मी नियमित गश्ती के दौरान अप एवं डाउन लाइन के बीच किलोमीटर संख्या 420/21 के समीप एक शव पड़ा देखा। सूचना मिलते ही रेल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को ट्रैक से हटाकर उसकी पहचान की प्रक्रिया शुरू की। इसी दौरान मृतक के पास से मिले मोबाइल फोन पर परिजनों का कॉल आने के बाद उसकी पहचान पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के सिंगुर थाना क्षेत्र निवासी 52 वर्षीय अनूप चटर्जी, पिता अजित चटर्जी, के रूप में हुई।आरपीएफ ओपी गुरपा के इंचार्ज सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गया भेजा गया है। प्रथम दृष्टया मामला चलती ट्रेन से गिरने के कारण हुई मौत का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, रेल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

ग्राम सभाओं में गूंजा विकास का एजेंडा, पंचायतों ने पेश किया कामकाज का लेखा-जोखा

महिला सशक्तीकरण, पारदर्शिता और जनभागीदारी पर रहा विशेष फोकस

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड की सभी ग्राम पंचायतों में रविवार को पंचायत विकास दिवस का आयोजन उत्साह और जनभागीदारी के साथ किया गया। पंचायत सरकार भवनों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, वार्ड सदस्यों, पंचायत सचिवों, जीविका दीदियों समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पंचायतों में संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आने वाले समय में किए जाने वाले विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई।कार्यक्रम में पंचायतों को प्राप्त अनुदान राशि, उसके व्यय एवं शेष राशि का सार्वजनिक रूप से ब्योरा प्रस्तुत कर पारदर्शिता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर ₹महिला हितैषी ग्राम पंचायत₹ विषय पर विशेष चर्चा आयोजित की गई। साथ ही उत्कृष्ट पंचायतों द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों का वीडियो प्रसारण कर अन्य पंचायतों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक प्रसारण भी किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सुना।बीडीओ शशि भूषण साहू ने बताया कि पंचायत विकास दिवस के माध्यम से ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, पंचायत की उपलब्धियों और भावी विकास योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत स्तर पर जनभागीदारी को मजबूत करना और विकास प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना है।

बालू माफियाओं पर पुलिस का शिकंजा, अवैध खनन में लगा ट्रैक्टर जब्त

टनकुप्पा पुलिस की कार्रवाई में चालक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : अवैध बालू खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत टनकुप्पा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भदान मोड़ के समीप अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध खनन में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है।टनकुप्पा थानाध्यक्ष बसंत कुमार राय ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध रूप से बालू का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने भदान मोड़ के पास छापेमारी कर बालू लदे ट्रैक्टर को रोककर जांच की। जांच के दौरान चालक वाहन से संबंधित कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर थाना ले आयी तथा चालक को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार चालक की पहचान रामनपुर गांव निवासी श्रीकांत कुमार के रूप में की गई है।उन्होंने बताया कि मामले में उत्खनन विभाग की ओर से चालक एवं वाहन मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गिरफ्तार चालक को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पुरानी रंजिश का विवाद पहुंचा जेल, दोनों पक्षों के आरोपित गिरफ्तार

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : टनकुप्पा थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर हुए मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के एक-एक आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर की गई।थानाध्यक्ष बसंत कुमार राय ने बताया कि सलारपुर गांव निवासी रामजय मांझी और मखदुमपुर निवासी मनोज सिंह को गिरफ्तार किया गया है। दोनों के बीच पूर्व से चला आ रहा विवाद मारपीट में बदल गया था, जिसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। रामजय मांझी ने मनोज सिंह पर मारपीट करने तथा एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था। वहीं, मनोज सिंह ने भी रामजय मांझी के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी।उन्होंने बताया कि दोनों मामलों की जांच के बाद कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है, मामले की जांच जारी है।

गया जंक्शन पर मिला प्राचीन कुआं, धरोहर के रूप में विकसित करने की उठी मांग

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन परिसर में रेन वाटर हर्वेस्टिंग परियोजना के तहत चल रही खुदाई के दौरान अति प्राचीन कुएं मिलने से लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। करीब पांच फीट की खुदाई में सामने आए इस कुएं की मजबूत ईंटों से बनी करीब 10 फिट गोलाकार संरचना और भीतर मौजूद पानी ने इसके ऐतिहासिक महत्व की संभावना को और बल दिया है। सुरक्षा कारणों से रेलवे प्रशासन ने कुएं को दोबारा ढक दिया है। लेकिन इसकी जानकारी फैलते ही स्टेशन परिसर में यात्रियों, स्थानीय लोगों और इतिहास प्रेमियों की भीड़ जुट गई। लोग इसे गया की प्राचीन विरासत का महत्वपूर्ण साक्ष्य मानते हुए इसके संरक्षण की मांग कर रहे हैं।गया जी सांसद सह केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी, नगर विधायक सह बिहार विधानसभ अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार शहीत

स्थानीय नागरिकों और इतिहास में रुचि रखने वाले लोगों का कहना है कि स्टेशन पुनर्विकास कार्य के दौरान मिले इस कुएं की वैज्ञानिक एवं पुरातात्विक जांच कराई जानी चाहिए। उनका मानना है कि यदि यह संरचना ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण साबित होती है तो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) अथवा राज्य के संबंधित पुरातत्व विभाग द्वारा इसका विस्तृत सर्वे कराया जाए और इसे संरक्षित धरोहर के रूप में विकसित किया जाए। इससे न केवल गया के समृद्ध इतिहास की नई जानकारी सामने आएगी बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे ऐतिहासिक अवशेषों का संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के लिए आवश्यक है। फिलहाल रेलवे की ओर से इस कुएं के संबंध में कोई आधिकारिक

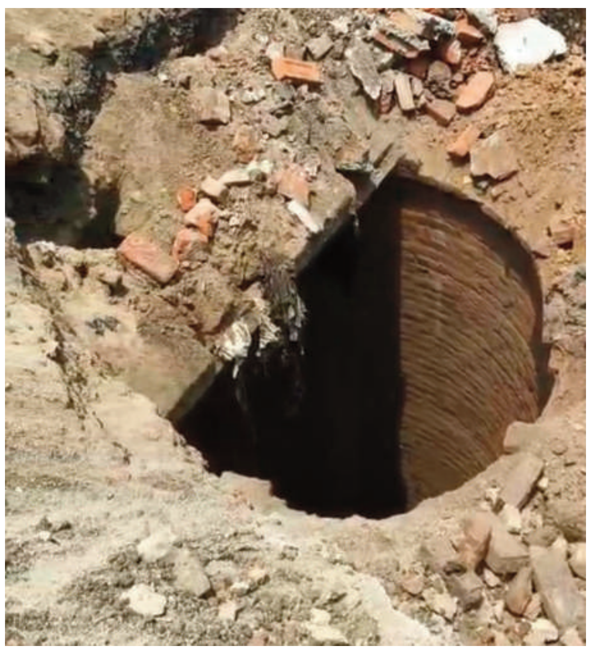

जानकारी जारी नहीं की गई है। लेकिन स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन और पुरातत्व विभाग इस ऐतिहासिक संरचना का महत्व समझते हुए आवश्यक कदम उठाएंगे ताकि यह प्राचीन धरोहर संरक्षण के साथ-साथ आकर्षण का केंद्र भी बन सके।ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण कार्यकर्ता शंभु सुमन ने कहा कि गया जंक्शन परिसर में मिला यह प्राचीन कुआं हमारी ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रमाण हो सकता है। पुरातत्व विभाग को तत्काल वैज्ञानिक जांच कर इसकी वास्तविक आयु और महत्व निर्धारित करना चाहिए। यदि यह ऐतिहासिक धरोहर साबित होता है तो इसे संरक्षित कर लोगों के लिए विरासत स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए पूर्व रेल कर्मचारी सह समाजसेवी मिथलेश सिंह का कहना है कि खुदाई में मिला यह कुआं केवल एक संरचना नहीं बल्कि गया के अतीत की पहचान हो सकता है। पुरातत्व विभाग इसकी जांच कर इसे धरोहर घोषित करे। उचित संरक्षण और सौंदर्यीकरण के साथ इसे विकसित किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपने शहर के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें।रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति हाजीपुर के सदस्य डीके जैन ने कहा कि स्टेशन पुनर्विकास के दौरान मिला यह प्राचीन कुआं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकता है। पुरातत्व विभाग को विशेषज्ञों की टीम भेजकर इसकी जांच करानी चाहिए। यदि यह धरोहर है तो निर्माण कार्य के साथ इसका संरक्षण सुनिश्चित करते हुए इसे पर्यटन और विरासत स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।अधिवक्ता कुमारी ज्योति ने कहा कि पुरातत्व विभाग इसकी विस्तृत जांच कर इसे धरोहर के रूप में विकसित करे। इससे गया जंक्शन की ऐतिहासिक पहचान मजबूत होगी। पर्यटकों का आकर्षण बढ़ेगा और स्थानीय व्यापार को भी सकारात्मक लाभ मिलेगा।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

विकास, सुशासन व राज्यों के सहयोग पर हुई चर्चा, लाल चौक में शांति व्यवस्था की सराहना

गया जी (एजेंसी) : बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने जम्मू एवं कश्मीर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच विकास, सुशासन और राज्यों के बीच सहयोग सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जम्मू-कश्मीर में आधारभूत संरचना के विकास, पर्यटन को बढ़ावा देने, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क संपर्क, ग्रामीण विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।डॉ. प्रेम कुमार ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में संचालित विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में सड़क एवं पुल निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, कृषि एवं सिंचाई के विकास, उद्योगों को प्रोत्साहन, निवेश आकर्षित करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर

सृजित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक ₹विकसित बिहार₹ के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।बैठक के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि भारत के विभिन्न राज्यों के बीच विकास के सफल अनुभवों का आदान-प्रदान देश के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। राज्यों को एक-दूसरे के नवाचारों और उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों से सीख लेकर विकास की गति को और तेज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में सभी राज्यों की सक्रिय भागीदारी और समन्वित प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी दोनों राज्यों के बीच आपसी सहयोग और निरंतर संवाद को आवश्यक बताते हुए कहा कि इससे जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और सुशासन को नई दिशा मिलेगी। दोनों नेताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, सहकारी संघवाद की भावना और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्यों के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति जताई।अपने प्रवास के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक का भी भ्रमण किया और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। उन्होंने घाटी में सामान्य और शांतिपूर्ण माहौल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शांति और विकास साथ-साथ आगे बढ़ने से क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और आर्थिक

दुकान की रेकी करते दो संदिग्ध गिरफ्तार, देशी कट्टा व मास्टर चाभी बरामद

सीवान, (एजेंसी) : जिले के गोरेयाकोठी थाना क्षेत्र में पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान के दौरान दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक देशी कट्टा, एक चाकू, एक मास्टर चाभी, एक पेचकस, तीन मोबाइल फोन तथा दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट एवं बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने बताया कि 27 जून की रात गोरेयाकोठी थाना पुलिस विशेष छापेमारी अभियान चला रही थी। इसी दौरान अफराद मोड़ के समीप दो मोटरसाइकिलों पर सवार दो संदिग्ध युवक एक दुकान के पास खड़े होकर ताले की रेकी और संदिग्ध गतिविधियां करते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर दोनों को पकड़ने का प्रयास किया तो वे भागने लगे, लेकिन त्वरित घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया गया।

तलाशी के दौरान दोनों के पास से एक देशी कट्टा, एक चाकू, एक मास्टर चाभी, एक पेचकस, तीन मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल बरामद हुई। पूछताछ में गिरफ्तार युवकों ने अपनी पहचान अभिषेक कुमार, पिता प्यारेलाल साह, निवासी बालबंगरा, थाना दरौंदा तथा राजू कुमार, पिता जगलाल महतो, निवासी बालबंगरा, थाना दरौंदा, जिला सीवान के रूप में बताई।

एसपी ने बताया कि इस मामले में गोरेयाकोठी थाना में बीएनएस की संबंधित धाराओं तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए, 26 एवं 35 के तहत कांड दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भरत तिवारी हत्याकांड पर माली समाज युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्कर्ष सैनी का खुला ऐलान, प्रशासन को दी चुनौती

1 जुलाई को आरा पहुंचकर भरत तिवारी के परिजनों को 1 लाख की आर्थिक सहायता देंगे, बड़ी संख्या में कार्यकताओं के पहुंचने का दावा

आरा(एजेंसी) : भरत तिवारी हत्याकांड को लेकर माली समाज युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्कर्ष सैनी ने बिहार सरकार और प्रशासन के खिलाफ तीखा रुख अपनाते हुए खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यदि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो संगठन आंदोलन को और तेज करेगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर एसपी कार्यालय और कमिश्नर कार्यालय पर ताला लगाया जाएगा। उनका कहना था कि ₹दम है तो रोक कर दिखाइए।₹

उत्कर्ष सैनी ने घोषणा की कि एक जुलाई को वह भारी संख्या में माली समाज युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ आरा स्थित भरत तिवारी के आवास पहुंचेंगे। इस दौरान वह भरत तिवारी के पिता को ₹1,00,000 की आर्थिक सहायता भी प्रदान करेंगे तथा परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा देंगे।

उन्होंने कहा कि भरत तिवारी हत्याकांड में दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय मिलना चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करेगा।इस अवसर पर माली समाज युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष गुरु प्रसाद राणा, राष्ट्रीय प्रवक्ता काशी नाथ पांडेय मौजूद रहे।

हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस में पिस्टल लहरा यात्रियों को धमकाने वाले शख्स को दबोचा गया

कोडरमा स्टेशन पर आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के पास से लोडेड पिस्टल व 24 जिंदा कारतूस बरामद, गिरफ्तारी के दौरान धक्का मुक्की

बीएनएस, रेलवे एक्ट व आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज, आरोपी भेजा गया जेल

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : हटिया- आनंद विहार एक्सप्रेस में यात्रियों को पिस्टल दिखाकर धमकाने वाले एक युवक को आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से एक लोडेड पिस्टल और 24 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।आरपीएफ पोस्ट कोडरमा के निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि एससीएनएल धनबाद से रेल मदद के माध्यम से सूचना मिली कि गाड़ी संख्या 12874 डाउन हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस के बी-1

कोच की बर्थ संख्या 48 पर सवार एक व्यक्ति शराब के नशे में पिस्टल लहरा रहा है तथा यात्रियों को धमकी दे रहा है। सूचना मिलते ही ट्रेन के कोडरमा स्टेशन पहुंचने पर प्रभारी निरीक्षक के निर्देश पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। जांच के दौरान पाया गया कि उक्त व्यक्ति कमर में पिस्टल लगाए कोच में इधर-उधर घूम रहा था और यात्रियों के बीच दहशत फैलाने के लिए धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल कर रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने उसे ट्रेन से उतारने का प्रयास किया तो उसने आरपीएफ और जीआरपी जवानों के साथ धक्का-मुक्की और हाथापाई भी की। हालांकि, जवानों ने उसे काबू कर जीआरपी थाना कोडरमा ले आए। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक पिस्टल, मैगजीन में लोड छह जिंदा कारतूस तथा पाउच में रखे 18 अन्य कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान दिवाकर सिंह (32) के रूप में बताई, जो उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के महेशगंज थाना क्षेत्र के रायपुर गांव का निवासी है। उसने खुद को निजी सुरक्षा गार्ड बताया और कहा कि वह प्रयागराज से रांची जा रहा था। उन्होंने बताया कि जीआरपी कोडरमा ने आरोपी के विरुद्ध बीएनएस, रेलवे एक्ट एवं आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर रविवार को उसे न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया।

गुरपा-गुझंडी घाट सेक्शन में बीओबीआर वैगन ट्रेन का ट्रायल, यात्री ट्रेनें बाधित

अप लाइन की बीओबीआर गुड्स ट्रेन डाउन लाइन से कराया गया परिचालन

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू और धनबाद रेल मंडल क्षेत्र स्थित गया-कोडरमा रेल सेक्शन के गुरपा-गुझंडी घाट क्षेत्र में शनिवार की देर शाम को नई बीओबीआर वैगन से संचालित मालगाड़ी का सफल ट्रायल किया गया। गुरपा-गुझंडी के बीच स्थित तीनों टनल के अपलाइन मार्ग पर नई बीओबीआर वैगन रैक को परिचालन में तकनीकी समस्या आने के कारण रेलवे ने गुझंडी से गुरपा स्टेशन तक सिंगल वर्किंग लाइन व्यवस्था लागू की। इसके तहत अपलाइन की मालगाड़ी को डाउन लाइन से सुरक्षित रूप से पास कराया गया। पूरी प्रक्रिया के दौरान रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों ने विशेष सतर्कता बरती, जिससे ट्रेन का ट्रायल सलतापूर्वक पूरा हुआ।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में प्रचलित बॉक्स वैगनों के स्थान पर बीओबीआर वैगनों का उपयोग शुरू किया जा रहा है। इन नए वैगनों के माध्यम से एनटीपीसी बाढ़ के लिए कोयले की आपूर्ति अधिक प्रभावी ढंग से की जाएगी। ट्रायल के दौरान ट्रेन को सुरक्षित तरीके से तीनों टनलों से निकालने के लिए तकनीकी निगरानी लगातार जारी रही। इस दौरान टीआई नीरज कुमार मौके पर तैनात रहे और संपूर्ण परिचालन की निगरानी करते रहे।

कई यात्री ट्रेनें हुईं प्रभावित, यात्रियों को करना पड़ा इंतजार

बीओबीआर वैगन ट्रेन को डाउन लाइन से सुरक्षित पास कराने के दौरान गया-कोडरमा रेलखंड पर कई यात्री ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। सिंगल वर्किंग व्यवस्था लागू होने के कारण डाउन और अप दोनों दिशाओं की ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रभावित ट्रेनों में डाउन लाइन की सासारामझ्रधनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस और वाराणसीझ्ररांची वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल रहीं। वहीं अपलाइन की जनशताब्दी एक्सप्रेस, जम्मू तवी एक्सप्रेस तथा आसनसोलझ्रगया मेमू का परिचालन भी प्रभावित हुआ। ट्रेनों के डेढ़ से दो घण्टे विलंब से चलने के कारण कई यात्रियों को निर्धारित समय से अधिक इंतजार करना पड़ा।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि नई बीओबीआर वैगन रेक का ट्रायल पूरी तरह सफल रहा।

संपादकीय

ईरान-अमेरिका का एक दूसरे पर हमला, कोई साजिश?

अमेरिका और ईरान के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हर बार नए-नए दावे करते रहे हैं। कई समझौते के प्रस्ताव बनने बिगड़ने के बाद दो बार युद्ध विराम हो चुका है। हर बार युद्ध विराम होने के बाद एक दूसरे पर हमले शुरू हो जाते हैं। कभी इजराइल हमले शुरू कर देता है, कभी ट्रंप साहब किसी न किसी कारण से हमले की शुरूआत कर देते हैं। जिसके कारण अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध एक ऐसी स्थिति में फंस गया है, जहां पर कोई अनुमान नहीं लगा पा रहा है, इस युद्ध का हश्र किस रूप में सामने आएगा। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते और युद्ध विराम के बाद सारी दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली थी। ऐसा लगता है, यह युद्ध विराम भी एक साजिश के रूप में अस्तित्व में आया है। ईरान अपने प्रमुख नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई का अंतिम संस्कार करने जा रहा है। ईरान ने इस मौके पर दुनिया भर के कई देशों के प्रमुखों को जनाजे में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। इस खबर के बाद वैश्विक राजनीति मे नई हलचल शुरू हो गई है। जिसने अमेरिका तथा ईरान के बीच एक दूसरे के ऊपर हमले करने की स्थिति बना दी है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए इस धारणा को बल मिलने लगा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ईरान से अपनी पराजय को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इजराइल भी इस समझौते से खुश नहीं है। जिस तरह का दबाव होमुर्ज मे ईरान ने बना रखा है, उसको देखते हुए अमेरिका और इजराइल शायद अपनी अंतिम लड़ाई लड़ने जा रहे हैं। इस लड़ाई के परिणाम क्या होंगे, इसको लेकर सारी दुनिया भयाक्रांत है। अयातुल्लाह अली खामेनेई के जनाजे में ईरान की लाखों जनता एकत्रित होगी। दुनिया भर के नेता इस जनाजे में शामिल होने के लिए ईरान पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे समय पर एक बार फिर अमेरिकी हमले शुरू होने से स्पष्ट रूप से आशंका बनने लगी है। अमेरिका कोई बड़ा खेल-खेलने तो नही जा रहा है। यदि यह खेल- खेला गया, तो यह आग में घी डालने के समान होगा। ईरान पहले ही अपने बहुत सारे योद्धाओं और अपने धार्मिक प्रमुख को खो चुका है। 165 से अधिक मासूम बच्चियों की हत्या को ईरान कभी भूल नहीं पाएगा। ऐसी स्थिति में ईरान आक्रामक मुद्रा में होगा। ऐसे समय पर अमेरिका और इजराइल ने बदमाशी की कोई साजिश रची? तो इस महायुद्ध को रोक पाना फिर किसी के लिए संभव नहीं होगा।

फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करनेवाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है।

: गीता

धर्म करते हुए मर जाना अच्छा है पर पाप करते हुए विजय प्राप्त करना अच्छा नहीं।

: महाभारत

मोहर्रम जुलूस की आड़ में दहशतगर्दी अराजकता का नंगा नाच

हाल ही में देश भर में मोहर्रम मनाया गया लेकिन मध्य प्रदेश की महाकाल की नगरी उज्जैन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में मुहर्रम के जुलूस के दौरान एक कार को क्रेन से लगभग 40 फीट ऊपर उठाया गया. फिर उसे ह्लधमाके से उड़ा दिया गयाह्व. ये घटना 24 जून को उज्जैन के बड़नगर इलाके में हुई थी. अब इस मामले में चार लोगों के खिलाफ पुलिस केस दर्ज किया गया है. अधिकारियों का कहना है कि ये खतरनाक काम स्थानीय अखाड़ों के बीच एक प्रतियोगिता के तौर पर किया गया था, ताकि भीड़ जुटाई जा सके और सोशल मीडिया पर ध्यान खींचा जा सके.पुलिस के मुताबिक, बड़नगर के अदान इलाके से मुहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा था, तभी लोगों की भारी भीड़ के सामने यह स्टंट किया गया. जिस कार पर ह्लले फिर आ गएह्व लिखा था, उसे क्रेन से ऊपर उठाया गया. कार में सवार दो युवक लाल झंडे लहरा रहे थे, तभी धुएं, चिंगारियों और टूटे हुए कांच से ऐसा नजारा बना जैसे कोई जबरदस्त धमाका हुआ हो. मौके पर ह्लशेरे अदान अखाड़ाह्व के पोस्टर भी दिखाई दिए.

आपको बता दें कि इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने मुहर्रम का मुख्य उद्देश्य पैगंबर हजरत मुहम्मद के नवासे, इमाम हुसैन और उनके साथियों की कर्बला में हुई शहादत का शोक और मातम मनाना है। यह कोई आतंक या शक्ति प्रदर्शन का त्योहार नहीं है, बल्कि जुल्म और अन्याय के खिलाफ खड़े होने का प्रतीक है।हालांकि, मुहर्रम के दौरान जुलूसों (अखाड़ों) में कुछ जगहों पर तलवारबाजी, आग के करतब, या कभी-कभी गैर-पारंपरिक स्टंट (जैसे वाहनों में विस्फोट करना) जैसे खतरनाक प्रदर्शन किए जाते हैं। कर्बला की जंग (680 ईस्वी) की याद में अखाड़ों के माध्यम से युवा अपनी बहादुरी, पारंपरिक हथियारों के इस्तेमाल और लड़ने की कला (मार्शल आर्ट्स) का प्रदर्शन करते हैं। कभी-कभी धार्मिक जोश में आकर युवा भीड़ को आकर्षित करने के लिए खतरनाक स्टंट या आतिशबाजी करते हैं, जिसे अक्सर बाहरी लोग आतंक या डराने वाला शक्ति प्रदर्शन समझ लेते हैं। कुछ असामाजिक तत्व या आयोजक ऐसे विवादास्पद प्रदर्शन जानबूझकर करते हैं ताकि समाज में दहशत फैले, दो समुदायों के बीच तनाव पैदा हो, या राजनैतिक रोटियां सेकी जा सकें।ऐसे भड़काऊ और हिंसक प्रदर्शनों को लेकर प्रशासन द्वारा हमेशा सख़्ती बरती जाती है और अक्सर आयोजकों के खिलाफ पुलिस मामले भी दर्ज. किए जाते हैं। अधिकांश मुस्लिम संगठन और विद्वान भी ऐसे खतरनाक प्रदर्शनों को इस्लाम के मूल सिद्धांतों के खिलाफ मानते हैं।भारत एक लोकतांत्रिक देश है जिसमें संवैधानिक व्यवस्था के अन्तर्गत बहुसंख्यकों के बराबर ही अल्पसंख्यकों को समान रूप से धार्मिक सांस्कृतिक त्योहार मनाने की व्यवस्था है लेकिन मोहर्रम जैसे आयोजन की आड़ लेकर सार्वजनिक स्थल पर सरेआम एक क्रेन के जरिए एक वैन को चालीस फुट ऊपर लटकाकर उसमें विस्फोट करना कहीं न कहीं उपद्रवी अराजकता आतंक फैलाने और दूसरे समुदाय में दहशत पैदा करने की मानसिकता का नंगा नाच है। पूर्व में भी देश के कई हिस्सों में मोहर्रम पर इसी तरह के हथियारों बरछी भाले तलवारो के साथ अराजकता का प्रदर्शन किया जाता रहा है और हर साल इस प्रदर्शन व जूलूस के दौरान सांप्रदायिक तनाव और हिंसा की दर्जनों वारदातों का होना रिकार्ड है। इस के चलते राज्य सरकारों द्वारा इस आयोजन के पहले लगातार सख्त निर्देश जारी किए जाते हैं और स्थानीय प्रशासन द्वारा इस मौके पर शांति अमन-चैन बनाए रखने के लिए शांति कमेटी की बैठक की जाती है। इसके बावजूद देश भर में कई शहर कस्बे अशांति और तनाव के दौर से गुजरना पड़ा है

उज्जैन के बड़नगर में मुहर्रम जुलूस के दौरान एक वैन को क्रेन से लटकाकर किए गए धमाके के बाद तीन मुस्लिम एवं एक हिन्दू के खिलाफ एफआईआर की गई है। इनमें तीन को गिरफ्तार भी किया गया है। अळर और त्रश्ठ ने जांच शुरू की है।मुख्यमंत्री मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन में मुहर्रम के एक जुलूस में चार पहिया वाहन को हवा में लटकाकर ह्यधमाकेह्व के घटनाक्रम ने कई सारे सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद उज्जैन के साथ-साथ भोपाल (पुलिस मुख्यालय) भी सकते में बताया गया है। तीन मुस्लिम एवं एक हिन्दू युवक सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एफआईआर की गई है। इनमें तीन को गिरफ्तार भी किया गया है।

बता दें, घटना दो दिन पुरानी है। मुहर्रम के जुलूस के दरमियान, सुनियोजित तरीके से इस ब्लास्ट को अंजाम दिया गया। घटना के बाद बड़नगर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ हुई है। सामने आया है, जुलूस के दौरान एक वैन में पटाखों के जरिए ब्लास्ट किया गया। आरोपियों ने वैन को क्रैन के जरिए 40 फीट हवा में उठाया। दो युवक लाल झंडे लेकर उस पर खड़ा रहे। झंडा लहराते रहे। अपनी बात रखते रहे। बाद में इसमें ब्लास्ट किया गया।हंगामा इसलिए बरपा क्योंकि वैन पर लिखा हुआ था, ह्यले, फिर आ गए।ह्न सवाल यही उठाया गया कि ये (ले, फिर आ गए) क्यों एवं किसके लिए लिखा गया होगा। हालांकि यह भी कहा गया है कि ह्यले, मैं फिर आ गयाह्न लिखा था।

दावा ये भी कि विस्फोट पटाखों से किया गया। मगर पुलिस, एफएसएल टीम एवं एटीएस की टीमें हरेक एंगल से जांच कर रही है। विस्फोटक क्या था, पता लगाने में जुटी हुई है।

ब्लास्ट से वैन के कांच फूटकर हवा में उड़ गए थे। लोग नीचे तमाशबीन बने रहे। अच्छा यह रहा कि किसी को चोट नहीं लगी। घटनाक्रम के वीडियो सामने आने के बाद विरोध शुरू हुआ। हिन्दू संगठनों ने आपत्तियां जताईं। कार्रवाई की मांग की।सामने आया है कि हिन्दू युवक किराये से क्रैन देने काम करता है। उसका कहना है, जुलूस में फूल बरसाने के लिए क्रैन की मांग की गई थी। आयोजकों की मांग पर उसने क्रैन दे दी। वीडियो वायरल होने के बाद उसे मालूम हुआ कि आयोजक गलत कथन करके वैन को ले गए थे।

घटना के बाद उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने मीडिया बयान में कहा, ह्यबड़नगर में अडान और शरजील अखाड़ों में स्पर्धा चलती है। दोनों अखाड़े एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ताक में रहते हैं। संभव है कि इसी वजह से पूरा घटनाक्रम हुआ और भड़काऊ संदेश लिखे गए हों, हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बता दे कि विश्व मानचित्र पर हिन्दू धर्म की पवित्र पहचान रखने वाले धार्मिक नगरी उज्जैन में इस तरह का प्रदर्शन आतंकवाद का छिपा समर्थन करने वाले तत्वों का सुनियोजित षड्यंत्र हो सकता है। उज्जैन के साथ-साथ बड़नगर, उन्हेल, नागदा और महिदपुर संवेदनशील क्षेत्रों में शुमार हैं। सांप्रदायिक उन्माद की घटनाएं इन क्षेत्रों में होती रही हैं, लिहाजा पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतना चाहिए थी।यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उज्जैन ह्यमुख्यमंत्री का गृह जिला है। वे गृह महकमे के दायित्व का निर्वहन भी करते हैं, ऐसे में पुलिस की अतिरिक्त सतर्कता ज्यादा बनती है, लेकिन देखा गया है कि प्रशासन सतर्क नही था अन्यथा यह वारदात को अंजाम नहीं दिया जाता सवाल यह है कि राज्य की खुफिया ईकाई ने समय से पहले इस तरह की आतंकी कारवाई की पूर्व सूचना क्यों नहीं दी ?विश्व हिंदू परिषद ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में मुहर्रम जुलूस के दौरान हुई उस घटना की जांच की मांग की, जिसमें एक वैन को क्रेन से लटकाकर उड़ा दिया गया था. संगठन ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के नाम पर इस तरह के खतरनाक शक्ति प्रदर्शन को सभ्य समाज में कभी स्वीकार नहीं किया जा सकता.

मनोज कुमार अग्रवाल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ट्रॉफी वाली टीम हारी, भूख वाली टीम ने इतिहास रच दिया

विश्व क्रिकेट में प्रतिष्ठा, ट्रॉफियां और रैंकिंग केवल रिकॉर्ड सजाती हैं; मैदान पर जीत उसी की होती है जो परिस्थितियों को सबसे बेहतर पढ़ता है। 26 और 28 जून 2026 को बेलफास्ट ने भारतीय क्रिकेट को यही कठोर सच दिखा दिया। टी20 विश्व चैंपियन भारत को आयरलैंड ने लगातार दो मुकाबलों में हराकर 0-2 से ऐतिहासिक श्रृंखला जीत ली और साबित कर दिया कि क्रिकेट में नाम नहीं, तैयारी और अनुकूलन ही सबसे बड़े हथियार हैं। पहले मैच में 34 रन और दूसरे में महज एक रन की जीत ने आयरलैंड को इतिहास के शिखर पर पहुंचा दिया, जबकि भारत के आत्मसंतोष की परतें भी उधेड़ दीं। श्रेयस अय्यर की कप्तानी का आगाज जिस उम्मीद के साथ हुआ था, वह बेलफास्ट की ठंडी हवाओं में कड़ी हकीकत से टकरा गया।

बेलफास्ट में जीत का फैसला खिलाड़ियों के नाम नहीं, परिस्थितियों की समझ ने किया। आयरलैंड ने पिच, मौसम और स्विंग को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। पदार्पण कर रहे मैथ्यू हॉलर्ड ने सधी गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को लगातार उलझाए रखा, जबकि लोरकन टकर ने धैर्य और आक्रामकता के संतुलन से जीत की नींव रखी। पांच प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरी आयरिश टीम का अनुशासन और सामूहिक खेल पूरे मैच में दिखा। दूसरी ओर भारत विश्व कप जीत के आत्मविश्वास को सही रणनीति में नहीं बदल सका। विदेशी परिस्थितियों को हल्के में लेने का परिणाम यह हुआ कि स्विंग और विविध गेंदबाजी के सामने भारतीय बल्लेबाजी बार-बार बिखर गई।

दोनों मुकाबलों का स्कोरकार्ड भारतीय टीम की कमजोरियों का आईना बन गया। पहले मैच में 182 रनों का लक्ष्य भारत को 148 पर रोक गया, जबकि दूसरे में 155 रनों का पीछा करते हुए टीम 153 रन पर थम गई। ये सिर्फ दो हार नहीं, बल्कि निर्णायक क्षणों में रणनीतिक चूकों की कीमत थीं। बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल नहीं सके और गेंदबाज दबाव के समय प्रभाव नहीं छोड़ पाए। दूसरी ओर आयरलैंड ने हर मौके को जीत में बदला। यही अंतर विश्व चैंपियन और उस दिन की बेहतर टीम के बीच साफ दिखा। इस श्रृंखला ने फिर साबित कर दिया कि क्रिकेट में किसी भी टीम को हल्के में लेना सबसे बड़ी भूल है।

बेलफास्ट ने भारतीय क्रिकेट की कई छिपी कमजोरियों से पर्दा हटा दिया। विश्व चैंपियन बनने के बावजूद टीम की गहराई, निरंतरता और मानसिक मजबूती सवालों के घेरे में आ गई। अनुभवी खिलाड़ियों की कमी और कुछ खिलाड़ियों की खराब फॉर्म ने संतुलन बिगाड़ दिया। सबसे बड़ी चिंता यह रही कि मुश्किल हालात में टीम समाधान खोजने के बजाय दबाव में बिखरती दिखी। इसके विपरीत सीमित संसाधनों वाली आयरिश टीम ने अनुशासन, सटीक तैयारी और सामूहिक खेल के दम पर असंभव को संभव कर दिखाया। इस जीत ने फिर साबित किया कि आधुनिक क्रिकेट में बड़े संसाधन नहीं, बल्कि सही रणनीति और उसे पूरी प्रतिबद्धता से लागू करने की क्षमता जीत दिलाती है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी का आगाज उम्मीदों के विपरीत दो लगातार हारों के साथ हुआ। यह झटका केवल परिणाम का नहीं, बल्कि रणनीतिक कमियों का भी था। टीम चयन, गेंदबाजों का उपयोग और मध्य ओवरों की योजना कई मौकों पर कमजोर दिखी। अभिषेक शर्मा ने उम्मीद जगाई, लेकिन बाकी बल्लेबाजी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी। कप्तानी सिर्फ फैसले लेने का नहीं, बल्कि परिस्थितियों के अनुरूप पूरी टीम की सोच ढालने का कौशल भी है। बेलफास्ट में भारत इसी कसौटी पर पिछड़ गया। अब बहानों का नहीं, ईमानदार आत्ममंथन और ठोस सुधार का समय है।

भारतीय क्रिकेट का इतिहास बताता है कि बड़ी हारें अक्सर बड़े बदलाव की नींव बनती हैं। 2007 विश्व कप की निराशा के बाद टीम ने जिस तरह खुद को बदला, वह आज भी मिसाल है। बेलफास्ट की यह हार भी वैसा ही चेतावनी संकेत बन सकती है, यदि इससे सही सबक लिया जाए। आज विश्व क्रिकेट बदल चुका है, जहां छोटी टीमें भी तैयारी, डेटा विश्लेषण और मानसिक दृढ़ता के दम पर दिग्गजों को झुका रही हैं। आयरलैंड ने साबित कर दिया कि भूख, अनुशासन और परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता किसी भी बड़े नाम से अधिक ताकतवर होती है। भारत को अब विदेशी परिस्थितियों के लिए अपनी मानसिक और तकनीकी तैयारी को नए स्तर पर ले जाना होगा।

भारतीय प्रशंसकों के लिए यह श्रृंखला गहरी निराशा छोड़ गई। विश्व कप जीत का उत्साह अभी फीका भी नहीं पड़ा था कि बेलफास्ट ने जश्न को आत्ममंथन में बदल दिया। लेकिन खेल की सबसे बड़ी सीख यही है कि हर हार सुधार का अवसर लेकर आती है। भारत को अब गेंदबाजी में विविधता, मध्यक्रम में स्थिरता और फील्डिंग में तेजी लाने पर तुरंत काम करना होगा। अन्यथा ऐसी चौंकाने वाली हारें भविष्य में भी दोहराई जा सकती हैं। वहीं आयरलैंड ने साबित कर दिया कि सीमित संसाधन नहीं, बल्कि बड़े इरादे और पक्की तैयारी इतिहास रचते हैं।

बेलफास्ट की यह श्रृंखला भारत के लिए सिर्फ हार नहीं, बल्कि समय पर मिली कड़ी चेतावनी है कि चैंपियन बनना कठिन है, लेकिन चैंपियन बने रहना उससे भी बड़ी चुनौती। यदि इस झटके को अहंकार नहीं, सुधार का अवसर माना गया, तो यही हार भविष्य की नई सफलताओं की नींव बनेगी। लेकिन इसे एक साधारण असफलता मानकर भुला दिया गया, तो ऐसी ठोकरें बार-बार प्रतिष्ठा पर चोट करती रहेंगी। आयरलैंड ने साहस, तैयारी और अटूट विश्वास से इतिहास रच दिया। अब भारत के सामने एक ही रास्ता है—ईमानदार आत्ममंथन, कठोर परिश्रम और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालना। क्योंकि क्रिकेट आखिर उसी को सलाम करता है, जो हर हार के बाद और अधिक मजबूत होकर लौटता है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7557

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7556 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

दैनिक पंचांग

29 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

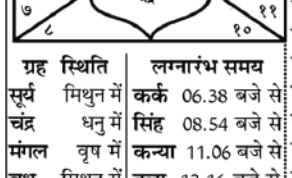

सोमवार 2026 वर्ष का 180 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा अहोरात्र।
नक्षत्र मूल 04.04 बजे रात्र को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 14.26 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 16.18 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872755
जूलियन दिन 2461220.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम
तारीख 13
विशेष पूर्णिमा व्रत, कबीरदास जयंती।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	धनु में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.38 बजे से
सिंह	08.54 बजे से
कन्या	11.06 बजे से
तुला	13.16 बजे से
वृश्चिक	15.31 ब.से
धनु	17.47 बजे से
मकर	19.52 बजे से
कुंभ	21.39 बजे से
मीन	23.11 बजे से
मेष	00.42 बजे से
वृष	02.22 बजे से
मिथुन	04.20 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

जनविश्वास से जनप्रतिनिधित्व तक : संसद की नई कसौटी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति चुनाव नहीं, संवाद है। चुनाव सत्ता तय करते हैं, लेकिन संवाद लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखता है। यही संवाद संसद में आकार लेता है, जहाँ केवल विधेयकों पर बहस नहीं, बल्कि राष्ट्र की दिशा, समाज की प्राथमिकताएँ और भविष्य की रूपरेखा तय होती है। संसद केवल भवन नहीं, बल्कि जनविश्वास का सजीव मंच है, जहाँ करोड़ों नागरिकों की आशाएँ, असहमतियाँ और आकांक्षाएँ राष्ट्रीय संकल्प में बदलती हैं। उसकी गरिमा भवन से नहीं, बल्कि विचारशीलता, संवेदनशीलता और जवाबदेही से निर्मित होती है। 30 जून का अंतर्राष्ट्रीय संसदीय दिवस इसी भावना का स्मरण कराता है। यह संसदों का उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है—यह परखने का कि लोकतांत्रिक संस्थाएँ सचमुच हर नागरिक की आवाज को समान सम्मान दे रही हैं।

इस दिवस की सबसे बड़ी प्रासंगिकता यही है कि यह संसदों को उनकी मूल भूमिका का स्मरण कराता है। संसदें केवल कानून बनाने वाली संस्थाएँ नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नैतिक चेतना हैं। किसी राष्ट्र का लोकतांत्रिक स्तर कानूनों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी न्यायपूर्ण, समावेशी और दूरदर्शी प्रकृति से तय होता है। जब संसद में बहस की जगह शोर, संवाद की जगह ध्रुवीकरण और जनसरोकारों पर राजनीति हावी हो जाती है, तब लोकतंत्र का वास्तविक उद्देश्य कमजोर पड़ने लगता है। संसद की सफलता सत्ता और विपक्ष की जीत-हार में नहीं, बल्कि उस वातावरण में निहित है जहाँ असहमति का सम्मान हो और निर्णय जनता के व्यापक हित में लिए जाएँ।

आज लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रतिनिधित्व की गुणवत्ता है। समाज जितना विविध है, संसदें भी उतनी ही समावेशी होनी चाहिए। महिलाओं, युवाओं, आदिवासी समुदायों, दलितों, दिव्यांगजनों और वंचित वर्गों की भागीदारी केवल संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता की कसौटी है। जब निर्णय प्रक्रिया में सभी वर्ग सहभागी होते हैं, तभी नीतियाँ अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनती हैं। यदि आधी आबादी की आवाज प्रभावी रूप से शामिल न हो और विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी सीमित प्रतिनिधित्व तक सिमट जाए, तो लोकतंत्र का दायरा स्वतः संकुचित हो जाता है। समावेशिता राजनीतिक नारा नहीं, लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है।

वर्ष 2026 में यह दिवस ह्यमानवाधिकारों को केंद्र में लानेह्न के वैश्विक संकल्प को रेखांकित करता है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की सफलता भी संसदों की सक्रियता पर निर्भर करती है, क्योंकि नीतियाँ वहीं बनती हैं, संसाधनों का वितरण वहीं तय होता है और सरकारों की जवाबदेही भी वहीं सुनिश्चित होती है। यदि संसद शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रोजगार, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक समानता जैसे मुद्दों पर गंभीर, सतत और परिणामोन्मुख विमर्श का केंद्र नहीं बनेगी, तो विकास केवल आँकड़ों तक सिमट जाएगा। किसी भी राष्ट्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब उसकी संसद तात्कालिक राजनीति से ऊपर उठकर भावी पीढ़ियों के हित में दूरदर्शी निर्णय लेने का साहस दिखाए।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की जिम्मेदारी और भी बड़ी है। भारतीय संसद केवल संविधान की संरक्षक नहीं, बल्कि 145 करोड़ से अधिक नागरिकों की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि भी है। हाल के वर्षों में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, डिजिटल संसदीय व्यवस्था और अनेक सामाजिक सुधारों से जुड़े कानूनों की दिशा में महत्त्वपूर्ण पहल हुई है। फिर भी प्रतिनिधित्व, संसदीय उत्पादकता, सार्थक बहस और विधायी गुणवत्ता के क्षेत्र में अभी लंबी यात्रा शेष है। संसद तब सबसे प्रभावशाली बनती है, जब वहाँ संख्याबल नहीं, विचारों का बल प्रबल हो और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर राष्ट्रीय हित सर्वोच्च प्राथमिकता बने।

आज तकनीक ने लोकतंत्र को नई संभावनाएँ दी हैं। संसदीय कार्यवाही अब लाखों नागरिकों तक तत्काल पहुँचती है, दस्तावेज डिजिटल हैं और सूचना अधिक सुलभ है। लेकिन तकनीकी आधुनिकीकरण मात्र से लोकतंत्र सशक्त नहीं होता; उसकी असली शक्ति जागरूक नागरिक सहभागिता है। संसद और समाज के बीच संवाद जितना गहरा होगा, लोकतंत्र उतना ही जीवंत बनेगा। नागरिकों की भूमिका केवल मतदान तक सीमित नहीं होनी चाहिए; उन्हें संसदीय बहसों, विधेयकों और जनहित के मुद्दों के प्रति भी सजग रहना होगा। लोकतंत्र दर्शक नहीं, सक्रिय नागरिकों से मजबूत होता है।

संसदों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है—जनविश्वास। दुनिया के अनेक लोकतंत्रों में राजनीतिक संस्थाओं पर नागरिकों का भरोसा घट रहा है। इसका समाधान नए कानूनों से अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सतत जनसंवाद में है। संसद को सिद्ध करना होगा कि वह केवल सत्ता परिवर्तन का मंच नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास की सबसे विश्वसनीय संस्था है। जब वह जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देती है, निर्णय प्रक्रिया को पारदर्शी बनाती है और आत्मसुधार का साहस दिखाती है, तभी लोकतंत्र में नागरिकों का विश्वास सुदृढ़ होता है।

अंतर्राष्ट्रीय संसदीय दिवस यह भी स्मरण कराता है कि लोकतंत्र कभी पूर्ण नहीं होता; वह निरंतर विकसित होने वाली व्यवस्था है। बदलते समय के साथ संसदों को भी अपनी कार्यशैली, प्राथमिकताओं और दृष्टि में बदलाव लाना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु संकट, वैश्विक असमानता, साइबर सुरक्षा, बदलता रोजगार परिदृश्य और सामाजिक न्याय जैसी चुनौतियाँ पारंपरिक राजनीति से कहीं अधिक दूरदर्शी सोच की माँग करती हैं। यदि संसद समय रहते इन चुनौतियों के अनुरूप नीतियाँ गढ़ेगी, तभी लोकतंत्र आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उतना ही प्रासंगिक और सशक्त बना रहेगा।

लोकतंत्र की पहचान उसकी संसद से होती है। संसद केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र के लोकतांत्रिक चरित्र का दर्पण है। वह जितनी संवेदनशील होगी, समाज उतना ही न्यायपूर्ण; जितनी समावेशी होगी, विकास उतना ही संतुलित; और जितनी जवाबदेह होगी, नागरिकों का विश्वास उतना ही गहरा होगा। इसलिए 30 जून केवल स्मृति-दिवस नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति सामूहिक पुनर्संकल्प का अवसर है। यह स्मरण कराता है कि संसद की सबसे बड़ी उपलब्धि सत्ता संचालन नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक न्याय, सम्मान और अवसर पहुँचाना है। जब संसद हर नागरिक की आवाज को निर्णयों में स्थान देगी, तभी लोकतंत्र संविधान की परिभाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रजीवन का सबसे विश्वसनीय अनुभव बनेगा।

कृति आरके जैन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के वित्त मंत्री का दावा : मध्यपूर्व तनाव कम होने के बाद ही घटेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

काठमांडू। नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने कहा है कि मध्यपूर्व में तनाव कम होने के बाद ही डीजल, पेट्रोल सहित ईंधन के दाम घटने की संभावना है। प्रतिनिधि सभा की बैठक में रविवार को आर्थिक विधेयक 2083 पर सांसदों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मध्यपूर्व की स्थिति सामान्य होने की संभावना है, जिससे ईंधन की कीमतों में भी गिरावट आने की उम्मीद है। वित्त मंत्री वाग्ले ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पहले ही घट चुकी है। हालांकि, नेपाल में भारतीय आयल निगम के माध्यम से आयात होने वाले ईंधन की आपूर्ति प्रक्रिया में समय लगने के कारण फिलहाल कीमत घटाने की स्थिति नहीं बनी है। उन्होंने कहा कि कुछ समय बाद पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कमी देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा, "मध्यपूर्व में जो समस्या उत्पन्न हुई थी, उसके कारण ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई और आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार पड़ा। इस बोझ को कम करने के लिए वित्त मंत्री बनने के दो सप्ताह के भीतर डीजल, पेट्रोल और मिट्टीतेल के आयात पर लगने वाले भंसार शुल्क तथा डीजल और पेट्रोल पर लगने वाले पूर्वाधार विकास कर में 50 प्रतिशत की छूट दी।" उन्होंने आगे कहा कि अब मध्यपूर्व की स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आ चुकी है। लेकिन कच्चे तेल से तैयार ईंधन बनकर भारतीय आयल निगम के जरिए नेपाल तक पहुंचने में कुछ समय लगेगा। वित्त मंत्री वाग्ले ने दावा किया कि पदभार संभालते ही उन्होंने ईंधन की कीमत घटाने के लिए आवश्यक पहल शुरू कर दी थी।

दक्षिण कोरिया और जापान एआई समेत रक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग पर सहमत

सियोल। दक्षिण कोरिया और जापान के शीर्ष रक्षा अधिकारियों ने रविवार को आपसी सहयोग मजबूत करने के लगातार प्रयासों को जारी रखने पर सहमति जताई। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भी शामिल है। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप न्यूज ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि सियोल में दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री आन ग्यु-बैक और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के बीच बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। दोनों देश बेहतर होते द्विपक्षीय संबंधों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करना चाहते हैं। बातचीत के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया, दक्षिण कोरिया की 'ब्लैक ईगल्स' और जापान की 'ब्लू इम्पल्स' के बीच आदान-प्रदान और सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति हुई। वे समुद्री आपातकालीन स्थितियों के लिए खोज और बचाव अभ्यास को और विकसित करने तथा एआई सहित एडवांस्ड साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में अधिक सहयोग को बढ़ावा देने पर भी सहमत हुए।

दो दिनों की यात्रा पर सियोल पहुंचे कोइजुमी की रक्षा मंत्री के तौर पर यह पहली यात्रा थी। इससे पहले जनवरी में आन ने जापान जाकर अपने समकक्ष से बातचीत की थी। उनकी यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब दक्षिण कोरिया और जापान रक्षा संबंधों में बनी सकारात्मक गति को आगे बढ़ाते हुए अपने सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं। वहीं, सीधे सैन्य आदान-प्रदान को कई दक्षिण कोरियाई लोग संवेदनशील मानते हैं क्योंकि 1910-45 के दौरान कोरिया पर जापान का औपनिवेशिक शासन रहा था। इस महीने की शुरुआत में, दोनों देशों ने 9 साल में पहली बार अपना संयुक्त समुद्री खोज और बचाव अभ्यास (सारेक्स) फिर से शुरू किया। यह अभ्यास 2018 में हुए उस विवाद को सुलझाने के बाद शुरू हुआ, जिसमें जापान के एक गश्ती विमान ने दक्षिण कोरियाई युद्धपोत के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ान भरी थी। दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता को भी एक सकारात्मक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। जापान ने पिछले साल नवंबर में 'ब्लैक ईगल्स' को ईंधन भरने में मदद देने से इनकार कर दिया था। उसने तर्क दिया था कि विमानों में से एक ने दक्षिण कोरिया के सबसे पूर्वी द्वीप समूह 'दोकदो' के ऊपर नियमित अभ्यास में हिस्सा लिया था। जापान लंबे समय से इन द्वीपों पर अपना क्षेत्रीय दावा करता रहा है। दिसंबर में हुई बातचीत में मामले को सुलझाने पर सहमत होने के दो महीने बाद 'ब्लैक ईगल्स' ने जापान के एक एयरबेस पर ईंधन भरा। शनिवार को कोइजुमी और आन ने गैंगवोन प्रांत के एक एयरबेस पर 'ब्लैक ईगल्स' यूनिट का दौरा किया। रविवार की बातचीत में मंत्रियों ने कोरियाई प्रायद्वीप को पूरी तरह से परमाणु मुक्त करने और क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

सूरत में 'मेगा वृक्षारोपण अभियान' के तहत 25 हजार पौधों का रोपण, सीआर पाटिल ने किया शुभारंभ

सूरत। गुजरात के सूरत में 'मेगा वृक्षारोपण अभियान' के तहत रविवार को केंद्रीय जल शक्तिमंत्री सीआर पाटिल ने 25 हजार पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस मेगा वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत सूरत महानगर पालिका के साउथ-ए जोन स्थित टी.पी.एस. नं. 54 (भेस्तान), एफ.पी. नं. 67 में विकसित किए जा रहे 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑक्सीजन पार्क' में केंद्रीय मंत्री पाटिल ने वृक्षारोपण कर अभियान की स्मृति पट्टिका का भी अनावरण किया। सुबह 8 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में नीम, पीपल, बोरसली, शहतूत, अमरूद, आंवला, सीताफल, सहजन सहित 40 से अधिक स्थानीय प्रजातियों के 25,000 पौधों का रोपण किया गया। साथ ही नागरिकों को 5,000 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का निःशुल्क वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी नागरिकों को वृक्षारोपण एवं पौधों के संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

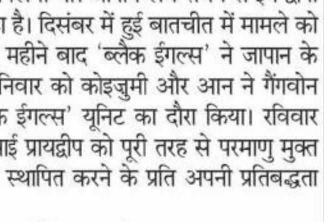

इस अभियान में नेचर क्लब सूरत, ग्रीन आर्मी चैरिटेबल ट्रस्ट, सूरत वन फाउंडेशन सहित कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों और पुलिसकर्मियों ने भी उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूरत की महापौर मायाबेन मावाणी ने की। इस अवसर पर सूरत शहर भाजपा प्रमुख परेश पटेल, विधायक संगीता बहन पाटिल, मनुभाई पटेल, प्रवीणभाई घोघारी, स्थायी समिति अध्यक्ष राजनभाई पटेल, उप महापौर सुधाकर चौधरी, सत्तापक्ष नेता अल्पाबेन मेहता, दंडक उर्मिलाबेन त्रिपाठी, नगरसेवक तथा मनपा के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तिरुमाला मंदिर पहुंचे अनंत अंबानी, भगवान वेंकटेश्वर के चरणों में अर्पित किए केश

हैदराबाद। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी ने रविवार को आंध्र प्रदेश स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी आस्था व्यक्त करते हुए परंपरा के अनुसार मुंडन कराकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के चरणों में अपने केश अर्पित किए। मंदिर पहुंचने पर अनंत अंबानी ने पहले मुंडन संस्कार संपन्न कराया और इसके बाद विधि-विधान से भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। दर्शन के दौरान उन्होंने देश और समाज की सुख-समृद्धि तथा कल्याण की कामना की। उल्लेखनीय है कि अंबानी परिवार भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के प्रति अपनी गहरी आस्था के लिए जाना जाता है। परिवार के सदस्य समय-समय पर तिरुमाला मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन करते रहे हैं। पिछले वर्ष अनंत अंबानी के विवाह से पूर्व और विवाह के बाद भी अंबानी परिवार ने तिरुमाला पहुंचकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए थे। तिरुमाला मंदिर देश के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है, जहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। केश समर्पण (मुंडन) यहां की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है, जिसे श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और समर्पण के प्रतीक के रूप में निभाते हैं।

वीबी-जी राम जी योजना पर राज्यों की आपत्तियों का दावा

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी योजना (वीबी-जी राम जी) को लेकर कई राज्यों द्वारा नई योजना पर गंभीर आपत्तियां जताए जाने का दावा किया है। पार्टी के अनुसार, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे भाजपा शासित राज्यों ने राज्यों पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ पर सवाल उठाए हैं। इसके अलावा कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की मांग की है।

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि ग्रामीण विकास मंत्री के गृह राज्य की ओर से भी इस नई योजना को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से पर्याप्त परामर्श किए बिना ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी

अधिनियम (मनरेगा) को समाप्त करने संबंधी विधेयक संसद से पारित करा दिया।

जयराम रमेश ने कहा कि मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे राज्यों ने नई व्यवस्था के तहत राज्यों पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ को लेकर चिंता जताई है। कई राज्यों को आशंका है कि योजना के संचालन और वित्तपोषण में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ने से उनके बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि चार अन्य राज्य सरकारों ने खेती के चरम मौसम के दौरान प्रस्तावित

◆ कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा

ब्लैकआउट अवधि का विरोध किया है। इस अवधि में रोजगार उपलब्ध न होने से ग्रामीण श्रमिकों और किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की मांग की है ताकि बढ़ती महंगाई और जीवन-यापन की लागत के अनुरूप उन्हें पर्याप्त आय मिल सके।

उन्होंने कहा कि 01 जुलाई से मनरेगा के स्थान पर लागू की जा रही वीबी-जी राम जी योजना को लेकर राज्यों के बीच असंतोष बढ़ रहा है। मनरेगा ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी प्रदान करती थी, जबकि नई योजना से राज्यों पर वित्तीय दबाव बढ़ने और निर्णय प्रक्रिया के अधिक केंद्रीकृत होने की आशंका है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने प्रतिशोध और राजनीतिक कारणों से प्रेरित होकर मनरेगा को समाप्त किया है।

कालीघाट मंदिर में अनुपम खेर ने की पूजा, की 'स्वास्थ्य और शांति' की कामना

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता स्थित प्रसिद्ध कालीघाट काली मंदिर में बालीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने दर्शन कर मां काली से स्वास्थ्य, सुख और शांति की कामना की। अभिनेता ने रविवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर मंदिर यात्रा की तस्वीरें और अनुभव साझा किए। अनुपम खेर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि किसी ऐसे पवित्र स्थान पर खड़ा होना, जिसने सदियों से आस्था, आशा, आंसू और प्रार्थनाओं को देखा है, एक गहरा सुकून देने वाला अनुभव है। उन्होंने कहा कि आज उन्हें पवित्र कालीघाट मंदिर में मां काली का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

अभिनेता ने आगे लिखा कि उन्होंने अपनी और सभी लोगों की ओर से शक्ति, कृतज्ञता तथा स्वास्थ्य, सुख और शांति की प्रार्थना की। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की सुंदरता केवल इसकी विविधता में ही नहीं, बल्कि इसके प्राचीन मंदिरों और उनसे जुड़ी आस्था में भी निहित है, जहां पीढ़ियों से लोग श्रद्धा के साथ आते रहे हैं। कालीघाट काली मंदिर को भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह वही स्थान है जहां देवी सती के शरीर का दाहिना अंगुल गिरा था।

गौरतलब है कि, अनुपम खेर लगभग 26 साल बाद बंगाली सिनेमा में निर्माता के रूप में वापसी कर रहे हैं। उनकी नई फिल्म 'शुरु थेके शुरू' के साथ यह वापसी हो रही है। उन्होंने इससे पहले वर्ष 1998 में फिल्म 'बारीवाली' में बंगाली फिल्म इंडस्ट्री के साथ काम किया था। इस प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने कहा कि बंगाली सिनेमा में लौटना उनके लिए एक भावनात्मक और विशेष अनुभव है। उन्होंने बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, साहित्य, संगीत और कला परंपरा की भी सराहना की और इसे भारतीय सिनेमा के लिए एक अमूल्य योगदान बताया।

अनशन पर बैठने से पहले सोनम वांगचुक ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली

पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने रविवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठने से पहले राजघाट का दौरा किया और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सोशल मीडिया अभियान 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी।

वह कथित नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। यह भूख हड़ताल सीजेपी की ओर से जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शन का हिस्सा है।

इससे पहले, सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश में कहा था कि वे सरकार के जवाब का 27 जून तक इंतजार करेंगे। यदि सरकार की तरफ से शिक्षा प्रणाली में सुधार या लद्दाख के पर्यावरण और संस्कृति की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, तो वे 28 जून से जंतर-मंतर पर अनशन पर बैठेंगे।

सीजेपी ने देशभर के युवाओं तथा नागरिकों से अपील की है कि वे आज जंतर-मंतर पहुंचकर सोनम वांगचुक और इस मुहिम के समर्थन में एकजुटता दिखाएं।

लायंस क्लब ऑफ कोलकाता प्राइड का इंस्टॉलेशन एवं प्रथम चार्टर वर्षगांठ समारोह संपन्न

कोलकाता

लायंस क्लब ऑफ कोलकाता प्राइड द्वारा 26 जून 2026 को होटल निहारिका में इंस्टॉलेशन समारोह एवं प्रथम चार्टर वर्षगांठ समारोह उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लायंस इंटरनेशनल के वरिष्ठ पदाधिकारी, गणमान्य अतिथि और बड़ी संख्या में क्लब सदस्य उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (इलेक्ट) लायन प्रमिल रूंगटा थे, जबकि पीडीजी लायन रश्मि बागला ने इंस्टॉलेशन ऑफिसर के रूप में नव-निर्वाचित पदाधिकारियों एवं निदेशक मंडल को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। पीएमसीसी पीडीजी लायन केदार नाथ गुप्ता ने मुख्य वक्ता के रूप में नेतृत्व, सेवा और लायनवाद के मूल्यों पर प्रेरक विचार रखे। प्रथम वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (इलेक्ट) लायन कमल किशोर मंत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में लायन सुनील कुमार मेहारिया ने अध्यक्ष, लायन वर्द्धमान छल्लाणी ने सचिव तथा लायन सोनू गोयल ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ लेकर कार्यभार ग्रहण किया। इसके अलावा लायन हर्ष सतीश उदेशी, लायन चिंपू लाल अग्रवाल, लायन चंद्रभानु सिन्हा, लायन मनु ऋषि वर्मा, लायन

संजीत कुमार बर्मन, लायन वीराज पोपट, लायन नीतू गुप्ता, लायन रिकिता हर्ष उदेशी और लायन रंजीत कुमार मोदी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने दायित्व संभाले। वर्ष 2026-27 के लिए गठित निदेशक मंडल में लायन उमेश कुमार सुल्तानिया, लायन कुणाल वोरा, लायन गिरिराज कंकानी, लायन गुंजन गनात्रा, लायन माधुरी छल्लाणी, लायन ममता सिन्हा, लायन मीनू मेहरिया, लायन पल्लवी बर्मन, लायन राधा सुल्तानिया, लायन ऋतु वर्मा, लायन साशी अग्रवाल और लायन वंदना कंकानी शामिल हैं। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण क्लब की वार्षिक पत्रिका "प्राइड पैनोरमा 2025-26" तथा क्लब डायरेक्टरी 2026-27 का विमोचन रहा। इस अवसर पर कैबिनेट कोषाध्यक्ष (इलेक्ट) लायन रमेश चोखानी, कैबिनेट सचिव (इलेक्ट) लायन इंद्राणी चौधरी, लायन प्रदीप नायर, लायन अरुण जिंदल, लायन उत्तम गुप्ता सहित अनेक वरिष्ठ लायंस उपस्थित रहे। अतिथियों ने क्लब के प्रथम चार्टर वर्ष में किए गए सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अन्नपूर्णा की रसोई, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम और नेत्र परीक्षण शिविर जैसी गतिविधियों को उल्लेखनीय बताया। अपने संबोधन में अध्यक्ष लायन सुनील कुमार मेहारिया ने आगामी वर्ष की सेवा परियोजनाओं और योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी सदस्यों से समाज सेवा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। सम्मान समारोह, फेलोशिप और धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। "प्राइड इन सर्विस" के ध्येय वाक्य के साथ क्लब ने समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

तिनसुकिया में आतंकी साजिश नाकाम, उल्फा (आई) से जुड़े दो और सहयोगी समेत चार गिरफ्तार

एजेंसी, तिनसुकिया (असम)

असम पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) की एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। तिनसुकिया जिला पुलिस ने रविवार को बताया कि इस मामले में अब तक कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मयंक कुमार ने मीडिया को बताया कि 26 जून को केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों के सहयोग से लेखापानी थाना क्षेत्र के जागुन में चलाए गए खुफिया-आधारित अभियान के दौरान उल्फा (आई) के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया गया था। उनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट सियोर आसोम उर्फ हुमेनज्योति बरुवा (27) तथा स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट मनोज आसोम उर्फ पापु मोरान (30) के रूप में हुई है। दोनों वर्ष 2018 में संगठन में शामिल हुए थे और कई आतंकी घटनाओं में संलिप्त रहे हैं।

एसपी के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि वे तिनसुकिया शहर में नागरिकों को

निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड हमला करने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर इस संभावित हमले को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस साजिश को विफल करने में सफल रहे हैं। जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखी गई है। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने आरोपितों के कब्जे से एके-सीरीज की दो राइफलें, 172 राउंड गोला-बारूद, दो ग्रेनेड, बैकपैक, जंगल में जीवित रहने का सामान, खाद्य सामग्री, दवाइयां तथा नकदी बरामद की।

इसके बाद पुलिस ने एक अन्य अभियान चलाकर उग्रवादियों को लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराने के आरोप में पानीटोला निवासी बिटु बोरा और कल्प बोरा को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, बिटु बोरा की स्विफ्ट कार (एआर-20ए-5892) का इस्तेमाल कथित तौर पर गिरफ्तार दोनों कैडरों ने किया था। वहीं, 'ऑल असम मटक युवा छात्र परिषद' के सह महासचिव कल्प बोरा पर उल्फा (आई) को सहयोग देने का आरोप है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों ने कथित तौर पर कबूल किया कि जब्त कार उल्फा (आई) के वरिष्ठ कैडर ऐसेंग आसोम के कहने पर मंगवाई गई थी। पुलिस ने पूरे तिनसुकिया जिले में सुरक्षा बढ़ा दी है और इस कथित साजिश व बड़े सपोर्ट नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने के लिए आगे की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि, 26 जून को केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों की मदद से तिनसुकिया पुलिस द्वारा चलाए गए एक खुफिया-आधारित अभियान में लेखापानी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत जागुन से उल्फा (आई) के दो सक्रिय कैडरों को पकड़ा गया था। जिनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट सियोर आसोम उर्फ हुमेनज्योति बरुवा (27) और स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट मनोज आसोम उर्फ पापु मोरान (30) के रूप में की गयी है।

महाराष्ट्र में समृद्धि हाइवे पर दो वाहनों की टक्कर में पांच लोगों की मौत

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले स्थित समृद्धि हाइवे पर रविवार को सुबह दो वाहनों की टक्कर में एक परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की छानबीन हाइवे पुलिस कर रही है। घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने आज बताया कि चंद्रपुर शहर के बाबूपेठ इलाके में डी.एड. कॉलेज के पास रहने वाला जीवने परिवार रविवार को एक वैगनआर कार में एक फेमिली फंक्शन के लिए अकोला के लिए निकला था। जैसे ही उनकी कार धामनगांव तहसील में समृद्धि हाइवे पर चैनल नंबर 106 के पास पहुंची, तो कार अनियंत्रित होकर सडक्र किनारे खड़े कंटेनर को टक्कर मार दी। इस घटना में कार में सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में आरती जीवने (40), भास्कर जीवने (57), महादेव जीवने (42), लता जीवने (43) और त्रिशा जीवने (12) (सभी

डी.एड. कॉलेज, बाबूपेठ, चंद्रपुर निवासी) शामिल हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही हाइवे पुलिस, स्थानीय पुलिस, एम्बुलेंस और आपातकालीन बचाव दल मौके पर पहुंचा। इसके बाद बचाव दल ने कार में फंसे शवों को बड़ी मशक्कत से बाहर निकाला। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। शुरुआती जांच में पुलिस ने शुरुआती अनुमान जताया है कि तेज रफ्तार होने के कारण कार ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और खड़े कंटेनर से टकरा गई। इस घटना की गहन जारी है।

प्रशिक्षण विमान के प्रोपेलर से प्रशिक्षु पायलट के घायल होने की जांच शुरू

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कानपुर के चकेरी हवाई अड्डे पर प्रशिक्षण उड़ान के दौरान हुई दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। मामले में संबंधित फ्लाइट इंस्ट्रक्टर को जांच पूरी होने तक उड़ान प्रशिक्षण दायित्वों से हटा दिया गया है, जबकि घटना में शामिल विमान के संचालन पर रोक लगा दी गई है।

डीजीसीए ने रविवार को बताया कि 26 जून को गर्ग एविएशन के फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (एफटीओ) का ट्विन इंजन टेक्नम पी2006टी विमान (वीटी-एनबीवी) चकेरी हवाई अड्डे पर रात्रिकालीन प्रशिक्षण उड़ान में लगा हुआ था। विमान में एक फ्लाइट इंस्ट्रक्टर और एक कैडेट पायलट सवार थे। विमान के उतरने के बाद प्रशिक्षु पायलट इंजन चालू रहने के दौरान विमान से उतर गई। इस दौरान वह विमान के प्रोपेलर की चपेट में आ गई, जिससे उसकी पीठ में चोटें आईं।

श्री अकाल तख्त के आदेश का अक्षरशः पालन करेंगे, सोमवार को सभी मंत्री-विधायक होंगे पेश : भगवंत मान

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब सिख कौम की सर्वोच्च धार्मिक संस्था है और उसके प्रत्येक आदेश का पूरी श्रद्धा व निष्ठा के साथ पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब किए गए पंजाब विधानसभा के स्पीकर सहित सभी मंत्री और विधायक सोमवार को वहां उपस्थित होकर राज्य सरकार का पक्ष रखेंगे।श्री अमृतसर साहिब में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उनकी नकल करने वाले व्यक्ति की फर्जी वीडियो से संबंधित समस्त विवरण भी श्री अकाल तख्त साहिब को सौंपेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल इस मुद्दे को धार्मिक रंग देकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति और धर्म को कभी भी एक-दूसरे के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। साथ ही

उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की अपील की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "श्री अकाल तख्त साहिब प्रत्येक सिख के लिए सर्वोच्च आस्था का केंद्र और हमारी कौम का सर्वोच्च तख्त है। वहां से जारी प्रत्येक आदेश हमारे लिए पूरी श्रद्धा के साथ स्वीकार्य है और उसका अक्षरशः पालन किया जाएगा। हमारे सभी मंत्री, विधायक तथा पंजाब विधानसभा के स्पीकर, जिन्हें श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब किया गया है, सोमवार को वहां उपस्थित होंगे। वे एक विनम्र सिख के रूप में श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष सरकार की स्थिति स्पष्ट करेंगे तथा अपना पक्ष रखेंगे।

◆ मेरा मास्क पहनकर नकल करने वाले की फर्जी वीडियो भी पत्र के साथ अकाल तख्त साहिब को सौंपी जाएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मुझे पहले श्री अकाल तख्त साहिब ने बुलाया था, तब मैं वहां उपस्थित होने के लिए भारत के राष्ट्रपति के एक कार्यक्रम को भी छोड़कर गया था।" मुख्यमंत्री ने कहा, "जब भी मैं गांवों, सामाजिक कार्यक्रमों और जनसभाओं में जाता हूं, वहां भारी जनसमर्थन मिलता है। विपक्षी दल इसे सहन नहीं कर पा रहे क्योंकि वे स्वयं ऐसा जनसमर्थन जुटाने में असमर्थ हैं। इस जोरदार समर्थन से इसी निराशा में वे मेरे विरुद्ध निराधार आरोप लगाने लगे हैं। पंजाब के लोग ऐसी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।" उन्होंने कहा, "भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल मुझे धार्मिक रूप से बदनाम कर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं, जबकि मैं केवल रोजगार, पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र विकास जैसे मुद्दों पर लोगों के हित में कार्य कर रहा हूं।" एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा, "राज्य सरकार शीघ्र ही जत्थेदार साहिब को पत्र लिखकर बताएगी कि किस प्रकार मेरी छवि खराब करने के लिए मेरी नकल करने वाले व्यक्ति की फर्जी वीडियो का उपयोग किया गया। पत्र को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हमारे मंत्रियों और विधायकों के श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होने के बाद आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। सिख पंथ में संगत ही सर्वोच्च है और प्रत्येक निर्णय उसकी इच्छा के अनुरूप लिया जाएगा, क्योंकि संगत हर निर्णय का न्याय करने में पूरी तरह सक्षम है।" महाराष्ट्र सरकार द्वारा 70 वर्ष पुराने "नांदेड़ सिख गुरुद्वारा सचखंड श्री हजूर अब चलनगर साहिब अधिनियम, 1956" को निरस्त करने के निर्णय पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा, "महाराष्ट्र सरकार को सिख कौम के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। महाराष्ट्र की भाजपा सरकार को ऐसे कदम उठाने से बचना चाहिए जिनसे सिख समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हों।

29-06-2026 T.P. Page 8_Layout 1 29-06-2026 09:30 Page 1

'लॉक अप' के नए सीजन में कंगना रनौत के न होने पर बोलीं एकता कपूर

टीवी और ओटीटी की दुनिया में एकता कपूर की अपनी अलग ही पहचान है। इन दिनों वह अपने लोकप्रिय रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के नए सीजन को लेकर चर्चा में है। इस बार शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि पहले सीजन को होस्ट करने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत इस बार शो का हिस्सा नहीं होंगी। इसी को लेकर एकता कपूर ने खुलकर अपनी बात रखी और बताया कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। मुंबई में हुए शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एकता कपूर ने कंगना रनौत के न होने से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''इस बार शो का पूरा फॉर्मेट और विजन बदल दिया गया है। जब शो की पूरी दिशा ही बदल रही है, तो पुराने सेटअप को आगे ले जाना संभव नहीं था। इस बार शो को एक नए तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है, ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।''

एकता कपूर ने कहा, ''पहले शो का कॉन्सेप्ट जेलर और होस्ट वाला था, लेकिन अब यह पूरी तरह से बदल दिया गया है। अब न तो पहले जैसा जेलर सिस्टम है और न ही होस्ट की पुरानी भूमिका। शो को नए रूप में लाने के लिए जरूरी था कि हर पुरानी चीज को हटाकर एक नई शुरुआत की जाए। इस बार शो का डिजाइन और प्रस्तुति दोनों में बड़ा बदलाव किया गया है। अगर पुराने फॉर्मेट को ही बनाए रखा जाता, तो नए सीजन की ताजगी और नया अनुभव दर्शकों तक नहीं पहुंच पाता।'' गौरतलब है कि पहले सीजन में कंगना रनौत ने शो को होस्ट किया था, जबकि अभिनेता करण कुंद्रा को जेलर की भूमिका में देखा गया था। इस सीजन के विजेता कमीडियन मुनव्वर फारुकी बने थे। शो का कॉन्सेप्ट जेल-स्टाइल सेटअप पर आधारित था, जहां कंटेस्टेंट्स को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होते थे। नए सीजन की बात करें, तो इस बार शो में 14 कंटेस्टेंट्स होंगे, जिनके साथ दो जेलर भी शामिल किए जाएंगे। शो की अवधि भी तय कर दी गई है और यह लगभग 6 हफ्तों तक चलेगा। नियमों के अनुसार, कंटेस्टेंट्स को इस बार भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होंगे और उसी के आधार पर उन्हें इन-शो करेंसी और सुविधाएं मिलेंगी। नए सीजन के लिए कई नए नामों की भी घोषणा की गई है। इस बार अभिनेता राम कपूर, अभिनेत्री शिवांगी जोशी और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी पामेला सेरेना जैसे चेहरे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आएंगे। इसके अलावा इस बार शो में जेलर की भूमिका रितेश देशमुख और फराह खान निभाएंगे। यह शो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।

क्या जूनियर एनटीआर की फिल्म में विलेन बनेंगे शाहिद?

शाहिद कपूर के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। शाहिद ने अपनी सुपरहिट वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन को लेकर कई अहम जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। शाहिद ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ लाइव बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 'फर्जी 2' को लेकर कई अहम जानकारी दी। शाहिद ने बताया कि 'फर्जी' के दूसरे सीजन का काम लगभग पूरा हो चुका है और यह सीरीज अगले साल रिलीज हो सकती है। इस साल मार्च में शाहिद ने शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने निर्देशक जोड़ी 'राज और डीके' के साथ एक फोटो शेयर कर लिखा, 'यह लोग फिर से सक्रिय हो गए हैं।' मेकर्स ने भी सोशल मीडिया पर नोटों के ढेर की तस्वीर शेयर कर 'दूसरे राउंड' की पुष्टि की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहिद कपूर जल्द ही साउथ सिनेमा में कदम रख सकते हैं। चर्चा है कि वे जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म 'ड्रैगन' में खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर प्रशांत नील कर रहे हैं। पहले इस रोल के लिए साउथ स्टार टोविनो थॉमस से बात चल रही थी, लेकिन उनके हटने के बाद अब मेकर्स शाहिद कपूर से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

'बिलेनियर' में विजय माल्या से प्रेरित होगा अर्जुन रामपाल का किरदार

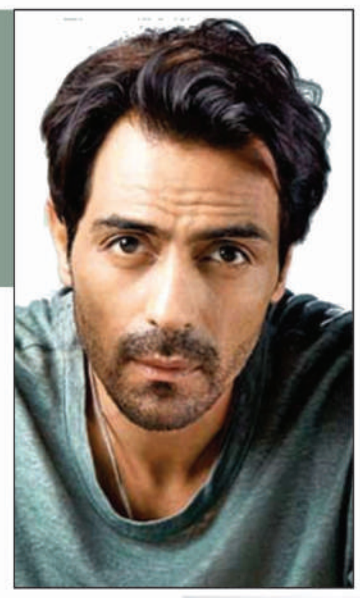

अभिनेता अर्जुन रामपाल वेब सीरीज 'बिलेनियर' को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज की घोषणा के बाद से यह कयास लगाए जा रहे थे कि इसमें उनका किरदार कारोबारी विजय माल्या या ललित मोदी से प्रेरित हो सकता है। अब सीरीज की मेकर प्रभलीन संधू ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। प्रभलीन संधू ने बताया कि वह 'बिलेनियर' का निर्माण कर रही हैं, जबकि इसका निर्देशन हंसल मेहता और रॉबी ग्रेवाल मिलकर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अर्जुन रामपाल का किरदार कुछ हद तक विजय माल्या से प्रेरित है, लेकिन यह पूरी तरह उनके जीवन पर बेस्ड नहीं है। प्रभलीन ने अर्जुन रामपाल के साथ काम करने को लेकर खुशी भी जताई।

उन्होंने कहा कि हालिया सफलता के बाद उनका प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और पूरी टीम उनके साथ काम करके उत्साहित है। फिल्म का निर्माण ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। इसकी पटकथा अनुभव चोपड़ा और शांतनु सागर ने लिखी है।

वेदांग रैना की नई फिल्म में प्रगति श्रीवास्तव की एंट्री

बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी और इसकी कहानी में दोनों अभिनेत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर हैं। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें एक दिलचस्प प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई रोमांचक मोड़ होंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, प्रगति श्रीवास्तव का किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना के किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है।

फैमिली एंटरटेनर फिल्म होगी खुशाली कुमार की 'दुल्हनिया ले आएगी'

अभिनेत्री खुशाली कुमार की आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर आज जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में खुशाली कुमारी सजी-धजी दुल्हन के जोड़े में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खुशाली कुमार दिखाई दे रही हैं। इस फर्स्ट लुक में खुशाली कुमार लाल रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। दुल्हन की तरह सजी-धजी खुशाली सिर पर मांग टीका और हाथों में चूड़ा पहने हुए हैं। इसके साथ ही वो आंखों पर काला चश्मा भी लगाए हुए हैं। इस पोस्टर में खुशाली पगड़ियों के ढेर के ऊपर लेटी हुई हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'दुल्हनिया ले आएगी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं

इस फिल्म में खुशाली कुमार के अलावा पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर जैसे मंझे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन आकाशदित्य लामा ने किया है, जो दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के असिस्टेंट भी रह चुके हैं। यही कारण है कि कुछ दिन पहले प्रियदर्शन ने भी इस फिल्म को प्रमोट किया था। जबकि फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ बनर्जी, आकाशदित्य लामा और विकास अग्रवाल ने किया है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा खुलासे नहीं किए हैं। हालांकि, फिल्म के टाइटल और शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यह एक पारिवारिक ड्रामा होगी। इसमें रिश्तों, त्योहारों, शादी के जश्न और अचानक पैदा होने वाली मजेदार परिस्थितियों को दिखाया जाएगा। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है, जिसमें हल्के-फुल्के मनोरंजन के साथ-साथ इमोशनल पल भी होंगे।

कल्चर बुलिंग का ही रूप है बॉलिवुड बैन

इंडस्ट्री में तकरीबन दो दशक का समय बिता चुकी कंगना करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ावों से गुजरीं, मगर एक अभिनेत्री और राजनेता के रूप में उन्होंने हमेशा लोगों का प्यार पाया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म भारत भाग्य विधाता से। यहां वे हमेशा की तरह कई मुद्दों पर खुलकर बातें करती हैं।

ऐसा साथी चाहती हूं, जो मुझे उपलब्धि की तरह देखे

सोशल मीडिया पर कंगना रनौत के मंगलसूत्र वाले लुक के बाद उनकी शादी को लेकर खूब अटकलें लगी थीं, हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ कि वह उनकी फिल्म का हिस्सा था। जब हमने उनसे शादी और जीवनसाथी को लेकर सवाल किया, तो वे ठहाका लगाते हुए बोलीं, 'मुझे पता था कि यह सवाल जरूर आएगा। आपने तीन-चार साल पहले भी मुझसे पूछा था कि वह कौन-सा धुरंधर होगा जिससे मैं शादी करूंगी। वैसे 'धुरंधर' शब्द मैंने पहली बार आपसे ही सुना था।' शादी को लेकर कंगना का नजरिया बेहद स्पष्ट है। वह कहती हैं, 'मेरा विवाह संस्था में गहरा विश्वास है, लेकिन मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी एक टाइमिंग होती है।'

इंसान चीजें पीछे छोड़ देता है

कंगना ने कहा, 'जब मैं छोटी थी, तब मेरी मां पूछती थीं कि आखिर मैं करियर के पीछे इतनी क्यों भाग रही हूं। मेरे लिए यह सिर्फ आर्थिक आत्मनिर्भरता का सवाल नहीं था। मुझे लगता था कि मेरी ग्रोथ ऐसी होगी कि शायद किसी के साथ एडजस्ट करना मुश्किल हो जाए। लेकिन अब मुझे लगता है कि जो भी मेरी जिंदगी में आए, वह मुझ पर गर्व करे। उम्र के एक मुकाम पर पहुंचकर इंसान बहुत-सी चीजों को पीछे छोड़ देता है और फिर अपने सुकून और कंफर्ट को महत्व देने लगता है। आज मैं ऐसा जीवनसाथी चाहती हूं, जो मेरे कंफर्ट जोन को समझे और मुझे एक उपलब्धि की तरह देखे।'

बॉलिवुड बैन कल्चर बुलिंग का ही रूप है

हाल ही में रणवीर सिंह को मिले नॉन-कॉपरेटिव नोटिस के मुद्दे पर उनका समर्थन करने वाली कंगना रनौत ने बॉलिवुड के 'बैन कल्चर' पर भी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में गुटबाजी पहले भी थी, लेकिन अब यह खुलकर सामने आने लगी है। कई कलाकार इस पर बात कर चुके हैं। ऐश्वर्या राय ने भी कहा था कि एक समय उनकी पांच साल की डायरी अचानक खाली हो गई थी। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां कलाकारों ने अपने साथ हुए ग्रुपिज्म और बहिष्कार का जिक्र किया है।' कंगना ने आगे कहा, 'ग्रुपिज्म हर जगह होता है, लेकिन जब यह किसी के करियर को प्रभावित करने लगे तो यह बुलिंग का रूप ले लेता है। जिस तरह स्कूलों में बुलिंग के खिलाफ नियम होते हैं, उसी तरह इंडस्ट्री में भी ऐसी प्रवृत्तियों पर रोक लगनी चाहिए।'

महिलाओं को सेक्सुअलिटी के दायरे में देखा जाता है

वह आगे कहती हैं, 'सबसे हैरानी की बात यह है कि महिलाओं को लगातार उनकी सेक्सुअलिटी के दायरे में ही देखा जाता है। उनकी उम्र का भी लिहाज नहीं किया जाता। 60 या 70 साल की महिला के खिलाफ भी अपमानजनक और यौन संकेतों वाले मीम्स का इस्तेमाल किया जाता है। यह सिर्फ हमारे देश में नहीं, बल्कि उन देशों में भी होता है जिन्हें हम अधिक खुले और प्रगतिशील समाज मानते हैं।' महिलाओं के पहनावे और व्यक्तित्व को लेकर बनने वाली धारणाओं पर भी कंगना सवाल उठाती हैं। वह कहती हैं, 'अगर कोई महिला अच्छा दिखना चाहती है, सजती-संवरती है, तो उसके बारे में तरह-तरह की बातें बनाई जाती हैं। लोग यह मान लेते हैं कि वह सिर्फ पुरुषों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रही है। मैंने यह सोच लगभग हर समाज में देखी है। किसी के सजने-संवरने या आत्मविश्वास के साथ खुद को प्रस्तुत करने को उसके चरित्र से जोड़ना बेहद गलत है। दुर्भाग्य से ऐसा आज भी होता है और इसमें बदलाव आना चाहिए।'